RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 स्टारडम और निजी जिंदगी...

वर्ष : 26 अंक : 143 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बुधवार, 15 मई, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

नरेन्द्र मोदी की विदाई तय : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व अखिलेश यादव की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरुआत उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के बारे में जानकारी देते हुए की।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि अब तक चार चरणों के चुनाव हो चुके हैं। इंडिया गठबंधन काफी आगे है। जनता ने नरेंद्र मोदी की विदाई तय कर दी है। कहा कि ये चुनाव विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ वो लोग हैं जो कुछ अमीरों के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं और दूसरी तरह गरीबों और युवाओं के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई आरक्षण और संविधान बचाने की लड़ाई है। ये चुनाव को देश के भविष्य को संविधान को बचाने के लिए है। संविधान बचेगा तो आरक्षण भी बचेगा।

उन्होंने कहा कि तानाशाही में लोगों के वोट का अधिकार भी सुरक्षित नहीं रहेगा। भाजपा के लोग लोगों को डराकर नामांकन दाखिल नहीं कर दे रहे हैं। हैदराबाद में भाजपा प्रत्याशी मुस्लिम महिलाओं का बुर्का हटाकर देख रही है। यहां तक की बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को भी डराया जा रहा है। इन सबके बावजूद इंडिया गठबंधन आगे है। भाजपा काफी पीछे है। खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने संविधान को बदलने की बात की थी। भाजपा के कई नेता संविधान (शेष पृष्ठ-3 पर)

भाजपा का रथ फंसा ही नहीं धंस गया है : अखिलेश

संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का झूठ जितना परवान चढ़ना था चढ़ चुका है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनने वाली है। 4 जून को प्रेस की स्वतंत्रता का दिन भी होगा। भाजपा 140 सीटें भी नहीं पा पाएगी। उनका रथ फंसा ही नहीं धंस गया है। वो अपने ही नकारात्मक नैरेटिव में फंस गए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन यूपी में 79 सीटें जीत रहा है और क्योटो (काशी) में लड़ाई में है। 4 जून को किसानों की सरकार बनेगी। बेरोजगार युवाओं की सरकार बनेगी। किसानों के सपने सच होंगे क्योंकि किसान कुचलने की घटना को भूले नहीं हैं।

बसपा द्वारा इंडिया गठबंधन के खिलाफ प्रत्याशी चुनाव में उतारने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मैं यही अपील करूंगा कि बहुजन समाज के लोग जो बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर में आस्था रखते हैं, जो उनके बनाए हुए संविधान को बचाना चाहते हैं वे अपना वोट खराब न करें। इंडिया गठबंधन की मदद करें जिससे लोकतंत्र को मजबूत किया जा सके।

मुख्यमंत्री योगी की माँ अस्पताल में भर्ती

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माँ को ऋषिकेश के एम्स में भर्ती कराया गया है। उन्हें जिरियाट्रिक वार्ड में डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है। एम्स प्रशासन का कहना है कि वृद्धावस्था में होने वाली दिक्कतों के चलते उन्हें रूटीन चेकअप के लिए भर्ती किया गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी 85 साल की हैं। उनको मंगलवार की दोपहर एम्स के जिरियाट्रिक वार्ड में भर्ती कराया गया. इस संबंध में जानकारी देते हुए एम्स प्रशासन ने कहा कि अधिक उम्र के चलते होने वाली समस्याओं का रूटीन चेकअप होना है. इसी को लेकर सावित्री देवी यहां पहुंची हैं.

मंगलवार को विभिन्न विभागों के डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी के स्वास्थ्य की जांच की। एम्स के पीआरओ संदीप कुमार ने सावित्री देवी के भर्ती होने की पुष्टि की है।

बता दें कि (शेष पृष्ठ-3 पर)

फाईल फोटो

ग्वालियर राजघराने की राजमाता का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर राजघराने की राजमाता व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे सिंधिया का बुधवार को निधन हो गया है। पिछले 3 महीने से दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में उनका इलाज चल रहा था। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने दिल्ली एम्स में बुधवार सुबह 9:30 बजे अंतिम सांस ली। वे कुछ समय से वेंटिलेटर पर थीं.उनके निधन से ग्वालियर राजघराने को बड़ी क्षति पहुंची है। पिछले दिनों तीसरे चरण के मतदान (गुना लोकसभा) से ठीक पहले ज्यादा तबीयत बिगड़ने की वजह से सिंधिया परिवार की राजमाता को दिल्ली एम्स में भर्ती किया गया था। दिल्ली एम्स में निधन के बाद माधवी राजे के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए मध्य प्रदेश के ग्वालियर लाया जाएगा।

क्राइम फाईल

सड़क दुर्घटना में विदेशी नागरिक की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना बीटा-2 क्षेत्र के सेक्टर-37 के पास बीती रात को एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में एक नाइजीरियाई युवक की मौत हो गई है। थाना बीटा-2 पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना बीटा-2 के प्रभारी निरीक्षक रमेश चंद्र ने बताया कि बीती रात को हेनरी चुकवुडी उर्फ ओपेरा पुत्र पाल जो की मूल रूप से नाइजीरिया के रहने वाले थे, वह बाइक पर सवार होकर ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-37 के पास से गुजर रहे थे, तभी उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। इस घटना में उनके सिर पर चोट लगी। उन्हें उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पत्नी मऊमिता ओपेरा मौके पर मौजूद है।

डाई कंपनी में घुसे चोर गार्ड की देखकर भागे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में डाई बनाने वाली कंपनी का शटर तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया गया है। कंपनी के सुरक्षा गार्ड्स ने चोरों को पकड़ने का प्रयास किया तो वह अपनी स्कूटी मौके पर छोड़कर फरार हो गए। मनोज कुमार ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी ईकोटेक 3 तीन में मैसर्स कौशल इंडस्ट्रीज के नाम से डाई बनाने की कंपनी है। 11 मई की रात्रि को अज्ञात चोर उनकी कंपनी का शटर तोड़कर अंदर घुस आए। चोर कंपनी से सामान चोरी कर ले जा रहे थे। इस दौरान कंपनी के सुरक्षा गार्ड सतबीर और सुनील जाग गए और उन्होंने चोरों को ललकारा। इसके बाद चोर अपनी स्कूटी को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। मनोज कुमार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराते हुए चोरों द्वारा छोड़ी गई स्कूटी भी पुलिस के हवाले कर दी है। मनोज कुमार के मुताबिक चोर उनकी कंपनी से दो डाई चोरी कर ले गए हैं।

जनरेटर से कीमती पार्ट्स चोरी

दादरी (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र में स्थित जे वर्ल्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के परिसर में लगे डीजल जनरेटर से चोर कीमती पार्ट्स चोरी कर ले गए। कंपनी के सीनियर मैनेजर ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जे वर्ल्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर मैनेजर ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि 10 मई को कंपनी के कर्मचारी सचिन कुमार ने उन्हें बताया कि कंपनी में लगे डीजी सेट से कीमती पार्ट्स चोरी हो गए हैं। उन्होंने जब कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग देखी तो पता चला कि 7- 8 मई की रात्रि को चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है और पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराई है।

दिल्ली में 60 करोड़ रूपये की जमीन का सौदा कर ठगे करोड़ों रूपये

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली के पॉश इलाके में 60 करोड़ रूपये की जमीन का सौदा कर एक जालसाज ने नोएडा के कए व्यवसायी से करोड़ों रूपये ठग लिए। व्यवसायी द्वारा अपनी रकम वापस मांगने पर जालसाज ने उसे व उसके परिवारर को जान से मारने की धमकी दी है।

नोएडा के थाना सेक्टर-24 में मैसर्स एसोटेक लिमिटेड सेक्टर-24 के प्रतिनिधि राधेश्याम शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मैसर्स ब्लू एंटरप्राइजेज के कंपनी एमडी तथा सत्यप्रिय लखोटिया ने वर्ष-2014 में उन्हें दिल्ली में एक भूमि पर प्रोजेक्ट लगाने के लिए सौदा किया था। 1 अप्रैल 2014 को सत्यप्रिय लखोटिया व कंपनी के अधिकारी उनके कार्यालय में आए तथा उन्हें दिल्ली में एक जमीन के पेपर दिखाए। जमीन के पेपर देखने के बाद 60 करोड़ रूपये की भूमि खरीद का सौदा तय हुआ। इसके लिए उन्होंने सत्यप्रिय लखोटिया को 1 करोड़ रूपये दिए। सौदा तय होने के बाद उन्होंने जब लखोटिया से जमीन के मूल कागजात दिखाने की बात कही तो वह आनाकानी करने लगा। जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो सत्यप्रिय लखोटिया बहाने बनाने लगा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

राजनाथ के चुनावी प्रचार में जुटे नोएडा के भाजपाई

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा का चुनाव सम्पन्न करवाने के बाद भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर की समूची टीम इन दिनों लखनऊ में डटी हुई है। टीम के सभी पदाधिकारी लखनऊ (शेष पृष्ठ-3 पर)

इंस्टाग्राम पर वायरल की अश्लील फोटो व वीडियो

फर्जी आईडी से अपलोड करने वालों पर एफआईआर

नोएडा (चेतना मंच)। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर विधवा महिला के नाम की फर्जी आईडी बनाकर उस पर अश्लील फोटो अपलोड कर भद्दे भद्दे कमेंट्स करने के आरोप में सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पीड़िता ने थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर 19 में रहने वाली कामनी (काल्पनिक नाम) ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसकी इंस्टाग्राम पर आईडी बनी हुई है। इंस्टाग्राम के जरिए उसकी कुछ लोगों से दोस्ती हुई थी। कुछ समय बाद उपासना रोली से उनका झगड़ा हो गया, जिसके बाद उसने सभी लोगों को इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया। कुछ समय बाद उसे पता चला कि किसी ने उसकी फर्जी आईडी बनाकर उसके तथा उसकी बेटी के फोटो व वीडियो (शेष पृष्ठ-3 पर)

'मेरठ के हैं गोली मार देते हैं'

रोडरेज में कार सवार युवकों ने दी धमकी

नोएडा (चेतना मंच)। नशे में धुत्त कार सवार युवकों ने ओवरटेकिंग को लेकर एक कार चालक के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने धमकी दी कि वह मेरठ के रहने वाले हैं और गोली मार देते हैं। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया। पीड़ित ने कार सवार 4 अज्ञात युवकों के खिलाफ थाना सेक्टर-126 में मुकदमा दर्ज कराया है।

कुंदन कॉलोनी बल्लभगढ़ हरियाणा के रहने वाले दीपक ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी कार से नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से होते हुए दिल्ली की तरफ जा रहा था। जेपी कट के पास वह सर्विस रोड पर चल रहा था। इस दौरान सामने से आ रही टैक्सी वेगनर कार के चालक ने उसकी कार के आगे अपनी कार लगा दी। उसने जब चालक को सही तरीके से कार चलाने की नसीहत दी तो कार से नीचे उतरे चारों युवक नशे में थे और उन्होंने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। कार सवार युवकों ने कहा कि वह मेरठ से हैं और गोली मार देते हैं। उसने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ धक्का मुक्की कर मारपीट की। इस दौरान किसी व्यक्ति ने उसका (शेष पृष्ठ-3 पर)

माँ की बीमारी का बहाना बनाकर नाबालिग लड़की का अपहरण

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान से दो किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है।

मोरना गांव में रहने वाली संजना (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह घरों में साफ सफाई का कार्य कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही है। उसके पड़ोस में रहने वाला पश्चिम बंगाल निवासी समीर और उसका भाई मेहरू 12 मई को उसके घर आए। दोनों आरोपियों ने उसकी 16 वर्षीय बेटी को बताया कि उसकी मम्मी बेहोश हो गई है। डॉक्टर के पास ले जाने की बात कहकर उन्होंने उसकी बेटी को जबरन गाड़ी में बैठा लिया और अपने साथ लेकर चले गए। इसके बाद उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़िता ने थाना सेक्टर-24 में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थाना कासना क्षेत्र के सिरसा गांव में किराए पर रहने (शेष पृष्ठ-3 पर)

यूपी पुलिस की महिला कांस्टेबल को दहेज के लिए सताया 15 लाख कैश व गाड़ी की डिमांड

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश पुलिस की महिला कांस्टेबल ने अपने पति व ससुराल वालों के खिलाफ दहेज के लिए उत्पीड़न कर मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। महिला कांस्टेबल ने अपने पति व ससुराल वालों पर कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। पीड़िता का पति भी उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल वाले उस पर मायके से लक्जरी गाड़ी अथवा 15 लाख रुपए लाने का दबाव डाल रहे हैं।

थाना सेक्टर-20 परिसर में रहने वाली महिला कांस्टेबल मंजू (काल्पनिक नाम) ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

ससुराल में विवाहिता से की मारपीट, मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक महिला ने अपने ससुराल वालों के खिलाफ गाली-गलौज व मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

पिंक सिटी कॉलोनी कस्बा दादरी में रहने वाली प्रिया (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसकी शादी वर्ष-2017 में जनपद फर्रुखाबाद निवासी अवनीश कुमार सिंह के साथ हुई थी। शादी के बाद वह कस्बा दादरी में अपने पति के साथ रह रही है। 11 मई को उसका पति ड्यूटी पर चला गया। वह घर पर अकेली थी। इस दौरान उसके देवर अभिषेक, आशीष, देवरानी दीक्षा और सास शकुंतला ने उसके साथ गाली-गलौज की। (शेष पृष्ठ-3 पर)

अतिक्रमण

प्रशासन ने दी अतिक्रमण व निर्माण हटाने की चेतावनी

भू-माफियाओं के चंगुल में है डूब क्षेत्र के कई इलाके!

- जनहानि होने पर सिंचाई विभाग की नहीं होगी कोई जिम्मेदारी नहीं मिलेगी क्षतिपूर्ति

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में हिंडन तथा यमुना के डूब क्षेत्र पूरी तरह भू-माफ्मिाओं के चंगुल में है। यदि भविष्य में बाढ़ आने तथा इन अवैध निर्माणों के कारण कोई हादसा हुआ तथा जनहानि हुई तो प्रशासन द्वारा किसी भी तरह की न तो मदद की जाएगी और न ही क्षतिपूर्ति दी जाएगी।

बता दें कि हिंडन नदी के डूब क्षेत्र की परिधि में करीब 28 गांव आते हैं। वहीं यमुना नदी के डूब क्षेत्र की परिधि में 14 गांव आते हैं। इन गांवों के आसपास कुछ भू-माफ्मिाओं ने अवैध निर्माण कर कालोनी बसा दी है।

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यहां पर लोग अवैध निर्माण को तत्काल हटा लें या तोड़ दें अन्यथा अवैध निर्माणों के विरूद्ध किसी भी प्रकार की कार्यवाही एवं अप्रत्याशित जन धन की हानि के लिए निर्माणकर्ता स्वयं उत्तदायी होगा।

जनपद गौतमबुद्धगनर में हिण्डन नदी के डूब क्षेत्र में ग्राम-छजारसी, चोटपुर, यूसूफपुर चकशाहबेरी, बहलोलपुर, गढीचौखंडी, हैबतपुर, परथला खंजरपुर, सौरखा जाहिदाबाद, ककराला, अलावर्दीपुर, जलपुरा, हल्दोनी, कुलेसरा एवं हिण्डन यमुना दोआब बंध के निकट ग्राम-इलाहावास, कुलेसरा, सुथियाना, शहदरा, लखनावली, बेगमपुर, मुबारकपुर, गुर्जरपुर, झटटा, बादौली बांगर, तुगलपुर, कोंडली बांगर, शफीपुर, चूहडपुर एवं मोमनाथल तक हिण्डन नदी के डूब क्षेत्र की परिधि के अन्तर्गत आते हैं। इसी बंध पर युमना नदी किनारे ग्राम-मोतीपुर, तिलवाडा, मोमनाथल, गढी समस्तीपुर, बादौली खादर, कोंडली खादर, कामबक्शपुर, दोस्तपुर मंगरौली, छपरौली एवं असदुल्लापुर (हरियाणा साईड) ओरंगाबाद, गुलावली, दलेलपुर, याकूतपुर की भूमि डूब क्षेत्र की परिधि में आती है।

सिंचाई निर्माण खंड गाजियाबाद के अधिशासी अभियंता ने बताया कि इस डूब क्षेत्र में स्थित भूमि में निर्मित एवं निर्माणाधीन भवन स्कूल, फार्म हाउस, क्रेशर प्लांट, हार्ट मिक्स प्लांट, कंक्रीट, रेडी मिक्स (शेष पृष्ठ-3 पर)

पिता ने बेटी को शादी में दी स्कॉर्पियो दुल्हे को चाहिए थी फॉर्च्यूनर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पिता ने अपनी लाड़ली बेटी की शादी धूमधाम से स्नेह गॉर्डन मैरिज होम में की और दहेज में दूल्हे को स्कॉर्पियो कार और 5 लाख रूपये नकद दिये। लेकिन दुल्हे को दहेज में फॉर्च्यूनर कार और 21 लाख रूपये चाहिए थे। दहेज के लालच में ससुरालियों ने विवाहिता को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया और एक दिन उसे लात-घूसे से मारा और चुन्नी से गला दबा दिया। थाना ईकोटेक-प्रथम में रीलखा दनकौन निवासी सुशील कसाना ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी बेटी की शादी वर्ष-2017 में अंकुश पुत्र मुकेश निवासी ग्राम अमरपुर से हुई थी। उन्होंने स्नेह गार्डन मैरिज होम में अपनी बेटी की शादी धूमधाम से की। शादी में उन्होंने दूल्हे को स्कॉर्पियो कार और पांच लाख रूपये दिय, लेकिन बेटी के ससुराली इससे खुश नहीं थे। उन्हें दहेज में फॉर्च्यनर कार व दहेज में 21 लाख रूपये चाहिए थे। सुशील ने बताया कि ससुराली कम दहेज का ताना देते हुए उनकी बेटी को प्रताड़ित करने लगे और उसके साथ मारपीट (शेष पृष्ठ-3 पर)

उपभोक्ता से खिलवाड़

कुछ दिन पहले भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद यानी आइसीएमआर की आनुषंगिक संस्था राष्ट्रीय पोषण संस्थान ने अपने एक अध्ययन में बताया था कि जीवन-शैली संबंधी आधी से अधिक बीमारियां खानपान में गड़बड़ी की वजह से होती हैं। अब उसी क्रम में आइसीएमआर ने लोगों को आगाह करते हुए कहा है कि डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों के ऊपर लिखी जानकारियां भ्रामक हो सकती हैं। इसलिए उनके चुनाव में सावधानी बरतनी चाहिए। उसने बकायदा उदाहरण देकर समझाया है कि फलों के रस के नाम पर बिकने वाले पेय में दस फीसद ही फलों का अंश हो सकता है, बाकी शर्करा हो सकती है। ऐसे अनेक खाद्य पदार्थों के डिब्बों पर भ्रामक दावे लिखे मिल सकते हैं कि उनका उपयोग सेहत के लिए अच्छा है। निश्चय ही आइसीएमआर के इस सुझाव से लोगों में कुछ जागरूकता पैदा हो सकती है। मगर सवाल है कि जब यह बात खुद आइसीएमआर जैसी स्वास्थ्य से जुड़ी शीर्ष संस्था को पता है कि भ्रामक जानकारियों के साथ डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ बाजार में बेचे जा रहे हैं, तो इसके प्रति वह केवल उपभोक्ता को जागरूक बना कर इस समस्या से पार पा लेने का कैसे भरोसा कर सकती है। लंबे समय से इस बात पर चिंता जताई जा रही है कि डिब्बाबंद और तुरंता आहार खासकर बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहे हैं। इनके चलते मोटापा, मधुमेह, हृदयरोग जैसी अनेक बीमारियां पैदा हो रही हैं। फिर भी हैरानी की बात है कि ऐसे खाद्य पदार्थों के जोखिम खुद उपभोक्ता के कंधे पर डाल कर जिम्मेदारी से मुक्ति पा लेने की कोशिश की जा रही है। कुछ दशक पहले जब डिब्बाबंद खाद्य और पेय पदार्थों में हानिकारक तत्त्व मिले होने को लेकर सवाल उठने शुरू हुए थे, तब सरकार ने ऐसे उत्पाद की गुणवत्ता पर नजर रखने और कंपनियों को जवाबदेह बनाने की गरज से भारत खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसआइ का गठन किया था। यह नियम बना कि एफएसएसआइ से प्रमाणपत्र प्राप्त किए बिना कोई भी डिब्बाबंद या पैकेट वाला खाद्य पदार्थ बाजार में नहीं उतारा जा सकता। बाजार में उपलब्ध इस तरह के हर खाद्य पदार्थ की थैली या डिब्बे पर इस प्रमाणपत्र का उल्लेख होता है। मगर इसके बावजूद उनमें हानिकारक पदार्थों का इस्तेमाल और भ्रामक दावे बंद नहीं हो पा रहे हैं, तो इस बारे में नए सिरे से सोचने की जरूरत है। आइसीएमआर ने तो डिब्बों पर लिखे विवरण जांच कर ही खाद्य पदार्थ खरीदने की सलाह जारी कर दी है, मगर सवाल है कि ऐसा कितने लोग कर पाते हैं और कर पाएंगे। खाद्य पदार्थों की थैलियों और डिब्बों पर अव्वल तो विवरण इतने महीन अक्षरों में लिखे होते हैं कि उन्हें पड़ना मुश्किल होता है। ज्यादातर विवरण अंग्रेजी में होते हैं। कितने लोग अंग्रेजी पढ़ पाते हैं। दूर-दराज गांवों के लोगों के लिए तो वह विवरण काला अक्षर भैंस बराबर ही होता है। फिर, ऐसे पदार्थों के उपभोक्ता ज्यादातर बच्चे, किशोर और युवा होते हैं। उनकी जीभ पर अब ऐसी चीजों का स्वाद इस कदर चढ़ चुका है कि वे विवरण बांच कर उन्हें खरीदते ही नहीं। ऐसे में जिम्मेदारी आखिरकार स्वास्थ्य और खाद्य से जुड़ी संस्थाओं की है कि वे ऐसे खाद्य पदार्थों के उत्पादन पर ही अंकुश लगाने का कोई उपाय तलाश करें, जिनसे लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था पतितों को पवित्र करना जिनका महान (प्रसिद्ध) बाना है, ऐसा कवि, वेद, संत और पुराण गाते हैं- रेमन! कुटिलता त्याग कर उन्हीं को भज। श्री राम को भजने से किसने परम गति नहीं पाई?॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-मो सम दीन न दीन हित तुम्ह समान रघुबीर।
अस बिचारि रघुबंस मनि हरहु बिषम भव भीर॥

हे श्री रघुवीर! मेरे समान कोई दीन नहीं है और आपके समान कोई दीनों का हित करने वाला नहीं है। ऐसा विचार कर हे रघुवंशमणि! मेरे जन्म-मरण के भयानक दु:ख का हरण कर लीजिए॥

कामिहि नारि पिआरि जिमि लोभिहि प्रिय जिमि दाम।
तिमि रघुनाथ निरंतर प्रिय लागहु मोहि राम॥

जैसे कामी को स्त्री प्रिय लगती है और लोभी को जैसे धन प्यारा लगता है, वैसे ही हे रघुनाथजी। हे रामजी! आप निरंतर मुझे प्रिय लगिए॥

यत्पूर्वं प्रभुणा कृतं सुकविना श्रीशम्भुना दुर्गमं
श्रीमद्रामपदाब्जभक्तिमनिशं प्राप्तयै तु रामायणम।
मत्वा तद्रघुनाथनामनिरतं स्वान्तस्तमः शान्तये।
भाषाबद्धमिदं चकार तुलसीदासस्तथा मानसम॥

श्रेष्ठ कवि भगवान श्री शंकरजी ने पहले जिस दुर्गम मानस-रामायण की, श्री रामजी के चरणकमलों में नित्य-निरंतर (अनन्य) भक्ति प्राप्त होने के लिए रचना की थी, उस मानस-रामायण को श्री रघुनाथजी के नाम में निरत मानकर अपने अंत:करण के अंधकार को मिटाने के लिए तुलसीदास ने इस मानस के रूप में भाषाबद्ध किया॥

पुण्यं पापहरं सदा शिवकरं विज्ञानभक्तिप्रदं।
मायामोहमलापहं सुविमलं प्रेमाम्बुपूरं शुभम।
श्रीमद्रामचरित्रमानसमिदं भक्त्यावगाहन्ति ये
ते संसारपतंगघोरकिरणैर्दह्यन्ति नो मानवाः॥

यह श्री रामचरित मानस पुण्य रूप, पापों का हरण करने वाला, सदा कल्याणकारी, विज्ञान और भक्ति को देने वाला, माया मोह और मल का नाश करने वाला, परम निर्मल प्रेम रूपी जल से परिपूर्ण तथा मंगलमय है। जो मनुष्य भक्तिपूर्वक इस मानसरोवर में गोता लगाते हैं, वे संसाररूपी सूर्य की अति प्रचण्ड किरणों से नहीं जलते॥

(क्रमशः..)

निराशाजनक है कम मतदान होना

मतदान के कर्त्तव्य को हर हाल में अनिवार्य बनाया जाना समय की मांग है। मतदान करने के उपरांत ही कोई नागरिक अपने अधिकारों के लिए दावा करने का पात्र हो, यह बहुत आवश्यक है, अन्यथा लोकतंत्र मजाक बन कर रह जाएगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए वोट से चोट करना आवश्यक है। हम सभी अपने वोट के अधिकार का मूल्य समझें।

भारत लोकतांत्रिक या प्रजातांत्रिक व्यवस्था का देश है। यह देश विश्व की महान लोकतंत्रात्मक प्रणालियों में से एक है। लोकतंत्र का आशय ही लोगों की बनाई गई एक व्यवस्था या प्रणाली है जिसके सिद्धान्तों के आधार पर यह स्वत: ही कार्य करती है। इस प्रणाली का संचालन लोगों द्वारा ही होता है। लोकतंत्र में लोगों की आशाओं, आकांक्षाओं, अपेक्षाओं तथा आवश्यकताओं के अनुरूप ही कार्य होता है। इस व्यवस्था में लोगों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह व्यवस्था लोगों की, लोगों के लिए तथा लोगों के द्वारा ही संचालित होती है। लोकतंत्र या प्रजातन्त्र निर्वाचन या चुनाव से मजबूत होता है। चुनाव निष्पक्ष, निर्भीक, बिना डर, भय एवं स्वेच्छा से होता है। चुने हुए प्रतिनिधि लोगों के सेवक बनकर बिना पक्षपात तथा भेदभाव से जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करते हैं। लोकतंत्र या प्रजातन्त्र एक ऐसी शासन प्रणाली है जिसके अन्तर्गत जनता अपनी स्वेच्छा से निर्वाचन प्रक्रिया में आए हुए किसी भी मनपसंद उम्मीदवार को मत देकर अपना प्रतिनिधि चुनती है। यानी लोकतन्त्र शासन का एक ऐसा रूप जिसमें शासकों का चुनाव जनता करती है। एक ऐसी व्यवस्था जिसके अनुसार जनता का चुना हुआ प्रतिनिधि शासक या सेवक बनकर राज्य में जनता की सेवा करता है। लोकतंत्र शासकीय प्रणाली का एक बहुत सुन्दर रूप है। भारत में 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार कोई भी भारतीय व्यक्ति यदि वह 18 वर्ष की आयु पूर्ण करता हो, वह इस प्रणाली के लिए बिना डर या भय तथा अपनी स्वेच्छा से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। यह उसका संवैधानिक अधिकार है। लोकतंत्र की नींव ही वोट के अधिकार पर टिकी है। इसलिए संवैधानिक दृष्टि से यह किसी भी भारतीय नागरिक का वह अधिकार है जो लोकतन्त्र को सशक्त बनाने का कार्य करता है। विडम्बना है कि भारतीय संविधान लागू होने के 75 वर्षों के बाद भी हम इसका महत्व तथा उपयोगिता नहीं समझ पाए हैं। आज भी लोग मतदान करने में अनिच्छा तथा उदासीनता दिखाते हैं। प्रत्येक चुनाव में कर्मचारियों, अधिकारियों, गैर सरकारी तथा अर्द्धसरकारी संस्थानों में काम करने वाले दिहाड़ीदार मजदूरों को वोट डालने के लिए वेतन सहित छुट्टी का प्रावधान रहता है, लेकिन उसके बावजूद लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने में रुचि नहीं दिखाते। इसके बहुत से कारण हैं जिनमें अशिक्षित होना, लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास नहीं रखना या संवैधानिक कर्तव्यों की अनदेखी करना है। यह देश अपने नागरिकों को सब कुछ प्रदान करता है। शिक्षा, सेवा, सडक़, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार, बिजली, पानी, जीविकोपार्जन के सभी संसाधन तथा सिर उठाकर जीने की स्वतन्त्रता यह राष्ट्र प्रदान करता है। यह देश संविधान के अनुसार संचालित है।

यही लोकतंत्रिक प्रणाली को मजबूती प्रदान करता है। अफसोस है कि हम वोट डालने के संवैधानिक अधिकार का पालन ही नहीं करते। आज भी सरकारों को अधिक मतदान करने के लिए लोगों को शिक्षित एवं जागरूक करने के उद्देश्य से अभियान चलाने पड़ते हैं। आज भी वोट डलवाने के लिए लोगों से निवेदन तथा आग्रह करना पड़ता है। हमें यह समझना चाहिए कि लोकतन्त्र में जहां वोट डालना हमारा अधिकार है, वहीं यह हमारा संवैधानिक कर्तव्य भी है। अट्ठारहवीं लोकसभा के गठन के लिए चुनाव प्रतिशत को बढ़ाने की भारतीय चुनाव आयोग की कोशिशों के बावजूद अभी तक सम्पन्न हुए तीन लोकसभा चुनाव चरणों में यह आंकड़ा निराशाजनक ही रहा है। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए इन आंकड़ों के प्रथम चरण में 66.14 प्रतिशत, द्वितीय चरण में 66.71 प्रतिशत तथा तृतीय चरण में 65.68 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो कि वर्ष 2019 की तुलना में बहुत कम है। वर्तमान में चुनाव आयोग द्वारा वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए बहुत से अभियान चलाए जा रहे हैं। पाठशालाओं, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में रैलियों, भाषणों तथा अनेक प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पूरे देश में 'स्वीप' यानी 'सिस्टेमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलैक्टोरल पार्टिसिपेशन' कार्यक्रम के माध्यम से जन जागरण हो रहा है।

इसके बावजूद कम संख्या में मतदान होना निराशाजनक है। अधिकार एवं कर्तव्य एक दूसरे के पूरक हैं। हम स्वतंत्र भारत में अपने अधिकारों का दावा तो करते हैं, परन्तु अपने कर्तव्यों के लिए जागरूक नहीं हैं। जो राष्ट्र हमें सम्मान के साथ जीने के लिए सभी संसाधन प्रदान करता है, उसकी नींव को मजबूती के लिए हम मतदान करने का कर्तव्य नहीं निभा सकते? यह बहुत ही चिंताजनक, शर्मनाक तथा दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि कोई नागरिक व्यवस्था से नाखुश है या उम्मीदवारों को पसंद नहीं करता तो भी 'नोटा' का प्रावधान है, लेकिन वोट न डालना किसी समस्या का समाधान नहीं है। बिजली, पानी, सडक़, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार के लिए हम लम्बे समय तक कार्यालयों के चक्कर लगा सकते हैं, लेकिन मतदान के संवैधानिक कर्तव्य का उपयोग करने के लिए हम मतदान केंद्र पर नहीं जा सकते? जहां आधार कार्ड, हैल्थ कार्ड, किसान कार्ड, रोजगार कार्ड तथा राशन कार्ड से प्रत्येक नागरिक का अधिकार निश्चित होता है, वहीं पर आज आवश्यक है कि मतदान कार्ड का उपयोग भी सुनिश्चित हो। मतदान के कर्तव्य को हर हाल में अनिवार्य बनाया जाना समय की मांग है।

मतदान करने के उपरान्त ही कोई नागरिक अपने अधिकारों के लिए दावा करने का पात्र हो, यह बहुत आवश्यक है, अन्यथा लोकतन्त्र मजाक बन कर रह जाएगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए वोट से चोट करना आवश्यक है। हम सभी अपने वोट के अधिकार का मूल्य समझकर चुनावी यज्ञ में अपनी आहुति दें, इसी में ही लोकतन्त्र की विजय है। एक जिम्मेदार भारतीय नागरिक बन कर अपने मताधिकार का प्रयोग कर गौरवान्वित महसूस करें। तभी अगले चरणों में मतदान प्रतिशत बढ़ पाएगा।

-प्रो. सुरेश शर्मा
शिक्षाविद

भारत में डिजिटलीकरण की अभूतपूर्व भूमिका

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि भारत में गरीबी घटाने में डिजिटलीकरण की अहम भूमिका है। पिछले दिनों भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहे फ्रांसिस ने कहा कि जब से वे भारत से लौटे हैं, उनके मन में अतुल्य भारत की डिजिटल उपलब्धि के बारे में दुनिया को बताने के विचार बार-बार आ रहे हैं। उन्होंने भारत में महसूस किया है कि सिर्फ एक हैंडसेट और डिजिटलीकरण मॉडल के उपयोग से लाखों लोगों को औपचारिक आर्थिक प्रणाली में लाने के लिए भारत के डिजिटलीकरण कार्यक्रम की अभूतपूर्व भूमिका है। उन्होंने कहा कि जहां डिजिटलीकरण से भारत में वित्तीय समावेशन में मदद मिल रही है, वहीं डिजिटलीकरण लागत को कम करने, अर्थव्यवस्था को अधिक कुशल बनाने और सेवाओं को सस्ता करने में भी प्रभावी योगदान दे रहा है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिल रही है। ये सब भारत से ऐसे डिजिटल सबक हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ साझा किया जा सकता है। गौरतलब है कि पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत में गरीबी 2015-2016 के मुकाबले 2019-2021 के दौरान 25 फीसदी से घटकर 15 फीसदी आ गई है। इसमें डिजिटलीकरण की भी अहम भूमिका है। इतना ही नहीं, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा के वैश्विक संगठनों के द्वारा भारत में बहुआयामी गरीबी घटाने के मद्देनजर भारत में लागू डिजिटल व्यवस्था की जोरदार सराहना की गई है। आईएमएफ के द्वारा प्रकाशित रिसर्च पेपर में यह भी कहा गया है कि सरकार के प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को दिए जा रहे मुफ्त खाद्यान्न ने गरीबों पर मार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है और इससे अत्यधिक गरीबी में भी कमी आई है।

यह भी उल्लेखनीय है कि नीति आयोग की तरफ से वैश्विक मान्यता के मापदंडों पर आधारित जो बहुआयामी गरीबी इंडेक्स (एमपीआई) दस्तावेज जारी किया गया है, उसमें कहा गया है कि पिछले नौ वर्षों में भारत में करीब 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी के दायरे से बाहर आ गए हैं, लेकिन अभी भी भारत में करीब 15 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे हैं। इस दस्तावेज के मुताबिक सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं और देश में आम आदमी तक पहुंची डिजिटल सुविधाओं ने बहुआयामी गरीबी कम करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। निस्संदेह गरीबी को घटाने और आम आदमी के लाभों से जुड़ा भारत का डिजिटल विकास वैश्विक मंच पर चमक रहा है। 50 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को जनधन खातों के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है। डिजिटलीकरण ने भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में और आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर-डीबीटी) में मदद की है। इन्फोसिस के सह संस्थापक और चेयरमैन नंदन नीलेकणी का भी कहना है कि भारत ने अपने अनोखे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नई डिजिटल पूंजी के सहारे पिछले 10 साल में वह कर दिखाया जो पारंपरिक तरीके से काम करने में पांच दशक लग जाते।

भारत में वर्ष 2014 से लागू की गई डीबीटी योजना एक वरदान की तरह दिखाई दे रही है। भारत ने पिछले एक दशक में मजबूत डिजिटल ढांचे से डिजिटलीकरण में एक लंबा सफर तय कर लिया है, जिससे आम आदमी सहित पूरी अर्थव्यवस्था लाभान्वित हो रही है। यदि हम हाल ही में प्रकाशित कुछ अन्य प्रमुख वैश्विक आर्थिक रिपोर्टों को देखें तो पाते हैं कि उनकी अध्ययन रिपोर्टों में दुनिया में तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रही भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल अर्थव्यवस्था को भारत की नई शक्ति बताया गया है। इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस (इक्रियर) और वैश्विक उपभोक्ता इंटरनेट समूह प्रोसस की रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की वैश्विक रैंकिंग में अब भारत अमरीका और चीन के बाद दुनिया के तीसरे नंबर का सबसे बड़ा देश बन गया है। इक्रियर के द्वारा डिजिटल अर्थव्यवस्था पर हुई यह स्टडी कनेक्ट, हार्नेस, इनोवेट, प्रोटेक्ट और सस्टेन जैसे पांच महत्वपूर्ण पैरामीटर्स पर आधारित है। इन पैरामीटर्स पर भारत ने 39.1 स्कोर किया है, जबकि पहले क्रम पर स्थित अमरीका ने 65.1 और दूसरे क्रम पर स्थित चीन ने 62.3 स्कोर किया है। भारत के बाद ब्रिटेन चौथे और जर्मनी पांचवें क्रम पर है। इस रिपोर्ट को जारी करते हुए नैसकॉम के अध्यक्ष देबजानी घोष ने कहा कि दुनिया अभी भी वास्तव में नहीं समझ पाई है कि प्रौद्योगिकी ने आम आदमी से लेकर सभी वर्गों के भारतीयों के दैनिक जीवन में खुद को कैसे शामिल कर लिया है, जो वास्तविक डिजिटल अर्थव्यवस्था है। एक उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत ने डिजिटल युग में छलांग लगा दी है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इंटरनेट नेटवर्क वाला देश है। इसी प्रकार रिजर्व बैंक गर्वनर शक्तिकांत दास ने कहा कि डिजिटल भुगतान में भारत विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर है। बीते वर्ष 2023 में देश में कुल डिजिटल भुगतान यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की हिस्सेदारी बढक़र 80 फीसदी के करीब पहुंच गई है। यूपीआई लेन-देन की संख्या महज छह साल में 273 गुना बढ़ी है। वर्ष 2017 में 43 करोड़ यूपीआई लेन-देन हुए थे, वर्ष 2023 में इनकी संख्या बढक़र 11761 करोड़ हो गई।

नि:संदेह भारत में यूपीआई ने भुगतान क्षेत्र में क्रांति ला दी है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारत में डिजिटल प्रौद्योगिकी को न केवल युवा अपना रहे हैं, बल्कि बुजुर्ग और गरीब वर्ग के लोग भी इसमें पीछे नहीं हैं। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान, भारत को सार्वजनिक सेवाओं की बड़े पैमाने पर डिलीवरी के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के चैंपियन के रूप में मान्यता दी गई थी। छोटे उद्योग-कारोबार के लिए सरल ऋण और रोजगार सृजन आम आदमी के बीमा और अन्य जनकल्याण योजनाओं के लिए डिजिटल ढांचे का सफल उपयोग किया जा रहा है। इससे समाज के करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। हम उम्मीद करें कि सरकार अभी भी देश में गरीब वर्ग के 15 करोड़ से अधिक लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर लाने के लिए गरीबों तक डिजिटलीकरण की सरल पहुंच सुनिश्चित करेगी। डिजिटल आधारित भारत की नई दुनिया में सौ फीसदी विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु रणनीतिक प्रयत्न सुनिश्चित किए जाएंगे। साथ ही भारत के आम आदमी की डिजिटल सहभागिता बढ़ाने के लिए गांवों व पिछड़े क्षेत्रों तक डिजिटल साक्षरता, सरल डिजिटल कौशल प्रशिक्षण, सस्ते स्मार्टफोन, इंटरनेट की निर्बाध कनेक्टिविटी और बिजली की सरल आपूर्ति जैसी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इससे भारत वर्ष 2027 तक आम आदमी की मुस्कुराहट बढ़ाते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था तथा वर्ष 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष : अष्टमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
घरेलू सुख बाधित रहेगा लेकिन भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के लिहाज से ये समय अच्छा नहीं है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पराक्रमी बने रहेंगे। किया गया पराक्रम सफलता लाएगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
धन का आगमन होगा। कुटुंब में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
सितारों की तरह चमकेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का भी अभी भरपूर सहयोग नहीं मिलेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
मन चितिंत रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। हालांकि स्वास्थ्य ठीक है। थोड़ा सर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आर्थिक जो भी गतिविधि करनी है सांयकाल से पहले कर लें। यात्रा का संकेत है। उसको भी निपटा लें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। उच्चाधिकारियों का आर्शीवाद मिलेगा। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम, संतान अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भाग्य साथ देगा। कार्यों में विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परिस्थितियां प्रतिकूल हो जाएंगी। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। थोड़ा बचकर पार करें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर विजय पाएंगे। कार्यों में विघ्न बाधा रहेगी लेकिन खत्म हो जाएगी। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान मध्यम।

सूरजपुर में हुई रामलीला कमेटी की अहम बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आर्य समाज मंदिर सूरजपुर में श्री आदर्श रामलीला कमेटी सूरजपुर की बैठक आयोजित की गई, बैठक की अध्यक्षता कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भूदेव शर्मा ने की और बैठक का संचालन श्री आदर्श रामलीला कमेटी के महासचिव पंडित सत्यपाल शर्मा ने किया जिसमें सर्वप्रथम पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय श्रीचंद भाटी की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए मौन धारण किया गया तत्पश्चात बैठक स्थगित कर दी गई और उसके पश्चात पुन: बैठक सुचारू रूप से शुरू की गई जिसमे गत वर्ष के आयोजन का आय-व्यय का ब्योरा कमेटी के कोषाध्यक्ष विशाल गोयल ने रखा।

इस मौके पर कमेटी के संरक्षक वीरपाल भगत विजयपाल भाटी जयदेव शर्मा राजवीर सिंह भाटी कमेटी के उपाध्यक्ष मूलचंद प्रधान मीडिया प्रभारी पंडित कर्मवीर आर्य अजय शर्मा रुपेश चौधरी कमेटी के प्रबंधक लक्ष्मण सिंघल ओमवीर बैसला विनोद भाटी संगठन मंत्री-राजेश ठेकेदार प्रचार मंत्री- सुनील सौनिक जयपाल ठेकेदार कमेटी के संयोजक भगत सिंह आर्य पूजा प्रमुख- विनोद पंडित तेल वाले, सुरक्षा प्रमुख- अनिल भाटी सुभाष शर्मा कमेटी के सह-मीडिया प्रभारी दिनेश शर्मा एडवोकेट कमेटी के सहसचिव -अवनेंद्र यादव कमेटी के सदस्य- चेतन शर्मा, अमन त्यागी, मदन शर्मा, ठाकुर ओमपाल सिंह, भीम खारी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा ने देश की जनता को ठगा : पहलवान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता एवं किसान नेता अजय पहलवान ने दावा किया कि रायबरेली से चुनाव लड़ रहे। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के ऐतिहासिक जीत होने जा रही है। उन्होंने कहा कि रायबरेली के लोग पूरी तरह से बदलाव के मूड में है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी के साथ-साथ हरियाणा से कांग्रेस के टिकट में चुनाव लड़ रहे राज बब्बर की भी ऐतिहासिक जीत होगी।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के झूठे वादे से जनता पूरी तरह से अब गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो कहा वह किया नहीं और आज देश में बेरोजगारी महंगाई के साथ-साथ किसानों का बुरा हाल है। अजय पहलवान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा से झूठ बोलकर केंद्र में 10 साल तक सत्ता सीन रही लेकिन किसी का भी भला नहीं किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का जुमला अब देश की जनता पर चलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों की भी ऐतिहासिक जीत होगी उत्तर प्रदेश की जनता अब पूरी तरह से बदलाव के मूड में है।

प्रधानमंत्री की रैली कल भाजपा ने झोंकी ताकत

भदोही (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल भाजपा प्रत्याशी डॉ विनोद बिंद के समर्थन में एक विशाल जनसभा को संबोधित करने आएंगे। प्रधानमंत्री की जनसभा की सफलता को लेकर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में तेजी तैयारी की जा रही है। कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ हो इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी के सभी नेता अपने-अपने क्षेत्र में लोगों से जनसंपर्क कर रहे हैं। इसी कड़ी में जिला प्रशासन के आला अफसर भी प्रधानमंत्री के जनसभा स्थल का कई बार निरीक्षण कर चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी भदोही लोकसभा के मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय ने बताया कि प्रधानमंत्री की होने वाली रैली ऐतिहासिक होगी।

उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री की रैली में हजारों की संख्या में लोग जाएंगे। विधायक विपुल दुबे, डीघ ब्लॉक प्रमुख मनोज मिश्रा, पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्रा, पूर्व सांसद गोरखनाथ पांडेय, पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, सहित सभी भाजपाई प्रधानमंत्री की रैली को लेकर कमर कसे हुए हैं। गोवर्धन राय ने बताया कि कल प्रधानमंत्री सीधे जनसभा स्थल पहुंचेंगे और वहां पर कार्यकर्ताओं एवं अन्य जनमानस को संबोधित करेंगे। लोकसभा के मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय ने दावा किया कि भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर विनोद बिंद को हर वर्ग हर समाज का अपार समर्थन मिल रहा है और एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत दर्ज करने की ओर अग्रसर है।

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) संगठन के बैनर तले अनिश्चितकालीन धरना सेक्टर 142 नोएडा शहदरा गांव में 92वे दिन भी जारी रहा।

भारत विकास परिषद का 'ज्ञानार्जन' आयोजन सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-37 स्थित होटल बालमेंट मे भारत विकास परिषद पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रांत के आतिथ्य में दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला ज्ञानार्जन का आयोजन सम्पन्न हुआ। यह कार्यशाला उत्तर मध्य क्षेत्र-प्रथम (NCR-1) के अन्तर्गत आने वाले परिषद के आठ प्रांतों-पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रांत, हस्तिनापुर प्रांत, उत्तराखण्ड पूर्व प्रांत, उत्तराखण्ड पश्चिमी प्रांत, रूहेलखंड पश्चिमी प्रांत, रूहेलखंड पूर्व प्रांत, बृज प्रांत व बृज उत्तर प्रांत के 111 प्रतिनिधियों/दायित्वधारियों के साथ ही राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दायित्वधारियों की सहभागिता व गरिमामयी उपस्थित रही।

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गजेंद्र सिंह संधू , राष्ट्रीय वित्त सचिव महेश बाबू गुप्ता, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन, डा. तरुण शर्मा क्षेत्रीय अध्यक्ष, अनुराग दुबलिश क्षेत्रीय महासचिव व शरद चंद्र क्षेत्रीय संगठन मंत्री, राजीव अजमानी प्रान्तीय वित्त सचिव भारत विकास परिषद पश्चिमी, उत्तर प्रदेश प्रान्त के अतिरिक्त अन्य राष्ट्रीय, क्षेत्रीय व प्रांतीय दायित्वधारियों की भी गरिमामयी उपस्थित रही व सभी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार शर्मा विकास मित्र द्वारा की गयी व सफल संचालन प्रांतीय महासचिव कवित बंसल विकास रत्न व क्षेत्रीय महासचिव अनुराग दुबलिश द्वारा किया गया।

पृष्ठ एक के शेष....

नरेन्द्र मोदी 4 जून...

बदलने की बात करते रहते हैं लेकिन इन सब लोगों को मोदी कभी नहीं मना करते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम सत्ता में आने पर जातीय जनगणना करेंगे। इससे लोगों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति का अंदाजा लग सके। ये हम देश को कमजोर करने के लिए नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमारे घोषणा पत्र के बारे में झूठ फैला रहे हैं। वो बताते हैं कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का सर्वे करवाएगी। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज करते हुए कहा कि वो जितना कांग्रेस को गाली देते हैं उतना तो राम का नाम नहीं लेते हैं।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी कहते हैं कि देश के 80 करोड़ गरीबों को हम मुफ्त अनाज दे रहे हैं। उन्होंने ये नहीं बताया कि खाद्य सुरक्षा कानून तो हम लेकर आए। इंडिया गठबंधन की सरकार आएगी तो हम 10 किलो अनाज देंगे। हमने कर्नाटक में किया है तेलंगाना में किया है। प्रेसवार्ता के बाद खरगे अमेठी व रायबरेली में जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे। जबकि 17 मई को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की अमेठी व रायबरेली में संयुक्त सभा भी प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री योगी...

सीएम योगी आदित्यनाथ साल 2022 में 3 से 5 मई तक उत्तराखंड के दौरे पर गए थे। इस दौरान सीएम योगी 4 मई को पंचूर के पैतृक घर पर अपने छोटे भाई महेंद्र सिंह बिष्ट के बेटे के मुंडन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान वे जब अपने पैतृक गांव यमकेश्वर के पंचूर में पहुंचे तो मां से भी मिले थे।

दिल्ली में 60 करोड़ रूपये...

उन्होंने जब जमीन के बारे में जानकारी ली तो उन्हें पता चला कि फर्जी कागजात बनाकर उन्हें दिखाए गए थे और उनके साथ बडी जालसाजी हुई है। वर्ष-2014 से लेकर अब तक उनकी रकम ब्याज और व्यापारिक हानि के साथ मिलाकर लगभग 6 करोड़ 78 लाख रूपये हो गयी है। राधेश्याम शर्मा ने दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि सत्यप्रिय लखोटिया उसके पैसे नहीं लौटा रहा है और उसको व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है।

राजनाथ के चुनावी...

में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी तथा देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के चुनाव प्रचार में जुटी है तथा अलग-अलग क्षेत्रों में अपने प्रत्याशी को भारी बहुमत से ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए वोट की अपील कर रहे हैं। नोएडा से लखनऊ में चुनाव प्रचार में जुटी टीम में नोएडा महानगर के अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महामंत्री उमेश त्यागी, महामंत्री गणेश जाटव, पूर्व अध्यक्ष जुगराज चौहान, भाजपा के उपाध्यक्ष महेश अवाना, पूर्व महानगर अध्यक्ष योगेन्द्र चौधरी, महामंत्री डिम्पल आनंद, भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष रामनिवास यादव, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष उमेश यादव, मंडल अध्यक्ष गोपाल गौड़, मंडल महामंत्री अमित नागपाल, नरेश शर्मा, प्रदीप चौहान, अनुज शर्मा समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

बता दें कि लखनऊ में 20 मई को चुनाव होने हैं। नोएडा के सभी पदाधिकारी अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं तथा लोगों से भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान की अपील कर रहे हैं। इसके अलावा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता रोजाना बैठक करके चुनावी रणनीति बना रहे हैं। बता दें कि राजनाथ सिंह नोएडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक तथा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह के पिता हैं।

इंस्टाग्राम पर वायरल...

अपलोड कर दिए हैं। इन फोटो व वीडियो पर भद्दे भद्दे कमेंट्स किये जा रहे हैं और अश्लील मैसेज भेजे जा रहे हैं। कामिनी ने उपासना रोली तथा उसकी आईडी पर भद्दे कमेंट करने वाले सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

भू-माफियाओं के ...

प्लांट एवं बदरपुर सैंड की धुलाई की होदियां आदि अवैध निर्माण स्थित है। बाढ के कारण इन अवैध निर्माणों के क्षतिग्रस्त होने से भारी जन-धन की हानि हो सकती है। यहां पर भारी संख्या में निर्माण व कालोनी अवैध होने के कारण बाढ के समय सिंचाई विभाग, जिला प्रशासन एवं शासन द्वारा सुरक्षा प्रदान किया जाना सम्भव नही हो सकेगा।

माँ की बीमारी का...

वाले एक व्यक्ति की (16 वर्षीय) बेटी 13 मई की शाम को घर से बिना बताए कहीं चली गई। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। किशोरी के पिता ने बताया कि वह पहले दिल्ली में रहते थे। वहां पर भी उनकी बेटी घर से बिना बताए चली गई थी। उनकी बेटी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी किशोरी के पिता ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया है।

पिता ने बेटी को...

भी शुरू कर दी। उनकी बेटी के एक पुत्र व एक पुत्री पैदा हुई इसके बावजूद ससुराल पक्ष के लोग उस पर दहेज लाने का दबाव बनाते रहे।

बीते दिनों ससुरालियों ने उनकी बेटी को लात-घूंसों से मारपीटा और चुन्नी से गला दबाकर मारने का प्रयास किया। बेटी का शोर सुनकर आसपड़ोस के लोग जमा हो गए जिसके बाद ससुरालियों ने उसे छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद 13 मई 2024 को जब वह अपने बेटे विकास और आकाश व अन्य परिजनों के साथ बेटी के ससुराल पहुंचे तो ससुरालियों ने उनके दोनों बेटों के साथ मारपीट की जिसके चलते उनके बेटे विकास की नाक और सिर में गंभीर चोट आई है। उसका निठारी स्थित अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने सुशील की शिकायत पर पति अंकुश, ससुर मुकेश, सास शिमला, नंनद के पति अक्षय व अभिषेक, ननद ज्योति, कोमल, अंशु, चाचा मोनू, महेश नागर, राकेश नागर, मोहित नागर, बबलू व 8-10 अन्य लोगों के खिलाफधारा-498ए, 323, 307, 506, 147, 178, 149, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 की धारा 3 व 4 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

'मेरठ के हैं गोली...

एप्पल आईफोन चोरी कर लिया। मारपीट करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

पीड़ित के मुताबिक जिस वक्त यह घटना हुई उस समय वह अपने दोस्त से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। उसके दोस्त ने इस पूरी घटना को अपने फोन में रिकॉर्ड कर लिया। पीड़ित ने आरोपियों की कार का नंबर पुलिस को उपलब्ध कराया है और अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

यूपी पुलिस की...

दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह मूल रूप से जनपद आगरा की रहने वाली है और उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है। उसकी शादी 21 अप्रैल 2022 को मथुरा निवासी रविंद्र कुमार के साथ हुई थी। रविंद्र कुमार उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल है और वर्तमान में जनपद जालौन में तैनात है। शादी के समय परिजनों ने अपनी हैसियत अनुसार खासा दान दहेज दिया था। इसके बावजूद भी रविंद्र कुमार व उसके परिजन संतुष्ट नहीं थे। शादी के दूसरे दिन से ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। उसके पति रविंद्र कुमार, ससुर सूरजपाल,सास देवी, ननद मीना कुमारी, मंजू कुमारी, देवर बृजमोहन उर्फ छोटू उसे कम दहेज लाने के लिए ताने देने लगे।

ससुराल वालों का कहना था कि उनकी हैसियत के अनुसार शादी नहीं की गई है जिससे उन्हें समाज में नीचा देखना पड़ रहा है। मंजू के मुताबिक रविंद्र कुमार व उसके परिजनों ने उसे पर मायके से 15 लाख रुपए लाने अथवा गाड़ी लाने का दवाब डालना शुरू कर दिया। शादी के दूसरे दिन ही उसके पति रविंद्र ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़िता के मुताबिक उसका पति उस पर अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का भी दवाब डालता था। पति व उसके ससुराल वाले उसके वेतन को भी अपने पास रख लेते थे और उसे खर्च के लिए पैसे नहीं देते थे। उसने अपने साथ हो रहे अत्याचारों की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद उसके पिता ने 13 दिसंबर 2022 को 6 लाख रुपए उसके ससुराल वालों को दिए। बावजूद इसके उसके उत्पीड़न में कोई कमी नहीं आई। मंजू के मुताबिक 14 मार्च 2023 को उसका पति रविंद्र कुमार उसके थाना सेक्टर-20 स्थित आवास पर आया और उसके साथ गाली गलौज और मारपीट की। शिकायत करने पर उसने अपनी पहुंच का हवाला देते हुए नौकरी छुड़वाने की धमकी दी और वहां से चला गया। पीड़िता ने अपने पति रविंद्र कुमार, ससुर सूरजपाल, सास देवी, ननद मीना कुमारी, मंजू कुमारी, देवर बृजमोहन उर्फ छोटू, नंदोई मनोज कुमार व सोहन रमन के खिलाफ दहेज उत्पीड़न के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

ससुराल में विवाहिता...

उसने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो सभी ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

सेक्टर-2 मन्नू भाई एक्सपर्ट सर्विस का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-2 सी ब्लॉक में उद्यमी संतोष आनंद द्वारा मन्नू भाई सर्विस एक्सपर्ट सर्विस सेंटर का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर संतोष आनंद ने बताया कि मन्नू भाई एक ब्रांड है जिसका उद्देश्य कम कीमत में अच्छी क्वालिटी की रिपेयर तथा मेंटेनेंस से जुड़ी सर्विस प्रदान करना है। कई तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे कंप्यूटर; टेलीविजन; एसी ;फ्रिज; इनवर्टर; मोबाइल; लैपटॉप इत्यादि से जुड़ी रिपेयर और इंस्टॉलेशन प्रदान करने की सुविधा दी जाती है। साथ में हर तरह के इलेक्ट्रिशियन ;प्लंबर; कारपेंटर और हाउसकीपिंग; क्लीनिंग से जुड़ी सर्विसेज एक फोन पर 30मिनट में उपलब्ध कराई जाती है।

इस मौके पर कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट कुनू , मिस्टर सुनील के साथ-साथ संतोष आनंद, जूली कुमारी, प्रिंस, आदित्य व कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्राधिकरण की जमीन पर अवैध निर्माण करने वालों पर एफआईआर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की अधिकृत भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने के आरोप में थाना सेक्टर 20 में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। प्राधिकरण अधिकारियों का आरोप है कि कई बार काम रुकवाने के बावजूद भी अतिक्रमणकर्ता बाज नहीं आ रहे हैं और चोरी छुपे प्राधिकरण की जमीन पर निर्माण कार्य करा रहे हैं।

नोएडा प्राधिकरण के अवर अभियंता जयकुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि ग्राम निठारी के खसरा संख्या 236 की भूमि प्राधिकरण की अर्जित एवं कब्जा प्राप्त भूमि है। इस भूमि पर करण शर्मा व मनोज शर्मा पुत्र बाबूराम निवासी ग्राम निठारी द्वारा अवैध निर्माण कर अतिक्रमण किया जा रहा है। पूर्व में वर्क सर्किल 2 के अवर अभियंता एवं भूलेख विभाग के लेखपाल द्वारा कार्य रुकवा दिया गया था। इसके बावजूद भी आरोपी रात में इस खसरे पर निर्माण कार्य करा रहे हैं। कई बार इन लोगों को नोटिस के द्वारा चेतावनी दी गई। इसके बावजूद भी अवैध निर्माण कार्य लगातार किया जा रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

खास खबर

उत्तराखंड के मदरसों में गैर-मुस्लिम बच्चों को दी जा रही इस्लामी शिक्षा

देहरादून , एजेंसी। उत्तराखंड में बच्चों के अधिकारों को लेकर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने 14 विभागों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा के साथ राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की टीम ने देहरादून के कई मदरसों का भी औचक निरीक्षण किया, जहां कई अनियमितताएं पाई गईं। आयोग अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता में कहा कि आयोग ने सभी अनियमितताओं पर साफ कर दिया है कि शिक्षा विभाग और अल्पसंख्यक आयोग की मिलीभगत के कारण उत्तराखंड में 400 से ज्यादा मदरसे अवैध रूप से चल रहे हैं। इन मदरसों पर आयोग की तरफ से कार्रवाई की जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग उत्तराखंड के सभी जिलाधिकारियों को दिल्ली तलब करने की तैयारी में है। इसके अलावा, आयोग को देहरादून में कुछ ऐसे मदरसे भी मिले हैं, जहां दूसरे राज्यों से बच्चे लाकर मदरसों में रखे गए। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की टीम का दावा है कि औचक निरीक्षण के दौरान उन्हें ऐसे मदरसे भी मिले हैं जिनमें हिंदू बच्चों को इस्लाम धर्म की शिक्षा दी जा रही थी।

हेमंत सोरेन की याचिका पर 17 मई को सुनवाई

रांची , एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर अब 17 मई को सुनवाई होगी। हेमंत सोरेन ने लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगी है। सुप्रीम कोर्ट आज हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई हुई। हेमंत सोरेन ने इस याचिका में झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनकी गिरफ्तारी को सही ठहराया गया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट में आए तीन मई के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को जायज ठहराते हुए पर्याप्त साक्ष्य होने की बात कही थी। इसी आदेश को हेमंत ने एसएलपी दायर कर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

सहरसा में एके-47 के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। बिहार के सहरसा में पुलिस ने दियारा क्षेत्र से एके-47, नाइन एमएम पिस्टल व कई राउंड गोलियों के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक लाख रुपये का इनामी शातिर अपराधी साधु यादव और शंभू यादव भागने में सफल रहा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कनरिया ओपी में साधु यादव अपने सहयोगी के साथ हथियार लेकर घूम रहा है। इसी सूचना के बाद कार्रवाई की गई। पुलिस ने सूचना की पुष्टि के लिए चिड़ैया ओपी पुलिस के साथ चेकिंग अभियान चलाया। सूचना सही पाये जाने के बाद अपराधियों को इस बात की भनक लग गई कि पुलिस इनकी तलाश कर रही है।अपराधियों ने पुलिस पर अटैक करने के लिए कई राउंड फायरिंग की। इस दौरान गिरफ्तार अपराधी का सहयोगी और एक लाख रुपये का इनामी साधु यादव और शंभू यादव भाग गया। वहीं उनका तीसरा सहयोगी सुभाष यादव हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। सुभाष यादव के पास से एक एके 47, नाइन एमएम का एक देसी पिस्टल व कई राउंड कारतूस मिले हैं। पुलिस पर फायरिंग करने के विरुद्ध सुभाष यादव पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

सलमान खान फायरिंग केस में छठी कामयाबी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का गुर्गा गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। बॉलिवुड स्टार सलमान खान के घर के बाहर पिछले महीने हुई गोलीबारी के मुंबई क्राइम ब्रांच को एक और बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान 34 वर्षीय हरपाल सिंह के रूप में हुई है। वह हरियाणा के फतेहाबाद का निवासी है। मुंबई अपराध शाखा की एक टीम ने सोमवार शाम को आरोपी को उसके गृहनगर से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि सिंह को मंगलवार तड़के मुंबई लाया गया और उसे आज अदालत में पेश किया जाएगा। मुंबई पुलिस ने अब तक इस मामले में कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। शहर में बांद्रा इलाके के गैलेक्सी अपार्टमेंट में स्थित सलमान खान के आवास के बाहर 14 अप्रैल को दो मोटरसाइकिल सवार लोगों ने गोली चलाई और फिर मौके से फरार हो गए थे।

दक्षिण और पश्चिम में खत्म चुनावी लड़ाई, अब यूपी समेत उत्तर भारत पर सबकी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। चौथे चरण के चुनाव खत्म होते ही अब राजनीतिक अखाड़ा दक्षिण और मध्य भारत से निकलकर उत्तर की तरफ शिफ्ट हो गया है। अब राजनीतिक दलों ने भी उत्तर के राज्यों में फोकस बढ़ा दिया है। आगामी तीन चरणों में उत्तर प्रदेश की 41 सीटों पर मतदान होना है। इसमें उत्तर प्रदेश की कई हॉट सीट्स जैसे कि वाराणसी, गोरखपुर आजमगढ़, बलिया और गाजीपुर शामिल है। बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन बहुत अच्छा था। इनमें से ज्यादातर सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की थी। पश्चिम बंगाल में भी कुल 42 में से अभी 24 सीटों पर मतदान बाकी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा और टीएमसी के बीच कड़ी टक्कर बताई जा रही है। कई केंद्रीय मंत्री भी पश्चिम बंगाल के चुनाव प्रचार में उतरे हैं। वहीं टीएमसी की अगुआई खुद ममता बनर्जी कर रही हैं। बिहार की बात करें तो अभी 40 में से 21 सीटों पर वोटिंग बाकी है। 2019 के चुनाव में एनडीए ने 21 सीटों पर जीतहासिल की थी। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पटना में रोडशो किया। पटना लोकसभा सीट पर 1 जून को मतदान होना है।

भाजपा के सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी अभी बिहार में कई जनसभाएँ करेंगे।वहीं विपक्षी आरजेडी की तरफ से तेजस्वी यादव चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। बता दें कि 2019 के चुनाव में आरजेडी को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी।

ओडिशा में इस बार लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ में ही कराए जा रहे हैं। 21 में से 17 लोकसभा सीटों पर मतदान आखिरी के तीन चरणों में होना है। भाजपा ने 2019 में ओडिशा में आठ सीटें हासिल की थीं। भाजपा का फोकस इस बार लोकसभा में स्थिति मजबूत करने और विधानसभा में सत्ता परिवर्तन की है। हालांकि राज्य में बीजू जनता दल की स्थिति भी मजबूत है। झारखंड में भी अगले तीन चरणों में 14 में से 10 सीटों पर मतदान होना है। यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है।

दिल्ली, हरियाणा की सात और 10 लोकसभी सीटों पर भी छठे चरण में 25 मई को मतदान होना है। दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी मिलकर चुनाव लड़ रही है। 2019 के चुनाव में दिल्ली में भाजपा ने सभी सात सीटों पर जीत दर्ज की थी। चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी जेल से बाहर आ गए हैं। पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की भी 18 सीटों पर मतदान आखिरी चरण में होना है। पंजाब में मुकाबला चतुष्कोणीय है। यहां आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, बीजेपी के अलावा शिरोमणि अकाली दल भी मैदान में है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में बारामुला और लद्दाख में पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है। महाराष्ट्र की 13 बची हुई लोकसभी सीटों पर भी 20 मई को वोट पड़ेंगे। इस बार महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन पूरा जोर लगा रहा है। एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र के चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती।

अमित शाह के फर्जी वीडिया मामले में आरोपी को राहत, अदालत ने दी जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण के फर्जी वीडियो के मामले में गिरफ्तार कांग्रेस सदस्य को जमानत दे दी। कोर्ट ने सोमवार को यह कहते हुए जमानत दी कि उसने जांच में सहयोग किया है और उससे आगे हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है। अरुण रेड्डी को 3 मई को गिरफ्तार किया गया था और वह एक्स पर स्पिरिट ऑफ कांग्रेस अकाउंट संभालते हैं। चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट नबीला वली ने कहा कि आरोपी के खिलाफ मुख्य आरोप जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया था, यह था वह उस व्हाट्सऐप ग्रुप का एडमिन था, जिस पर फर्जी वीडियो पहली बार प्रसारित करने के लिए पोस्ट किया गया था। जस्टिस ने कहा कि आरोपी पर उक्त वीडियो को किसी भी मंच पर पोस्ट करने का कोई आरोप नहीं है। उन्होंने कहा कि आरोपी तीन मई से हिरासत में है और जांच एजेंसी पहले ही उसकी पुलिस हिरासत ले चुकी है। उन्होंने कहा, जांच अधिकारी के जवाब के अनुसार आरोपी ने जांच एजेंसी के साथ सहयोग किया है और अपने सहयोगियों/अन्य के नाम का खुलासा किया है। साथ ही, यह एक स्वीकृत स्थिति है कि आगे कोई पुलिस हिरासत की आवश्यकता नहीं होगी। अदालत ने कहा कि वर्तमान मामले में अन्य संदिग्धों को तेलंगाना उच्च न्यायालय की ओर से दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा प्रदान की गई है।

आरोपी से आगे हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं

न्यायाधीश ने कहा, अदालत की राय में आरोपी से आगे हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा, यह ऐसा मामला नहीं है कि जांच एजेंसी को अन्य संदिग्धों के ठिकाने की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, यह भी प्रस्तुत किया गया है कि आरोपी से कोई और जब्ती नहीं की जानी है और आरोपी का मोबाइल फोन पहले ही जब्त कर लिया गया है। आरोपी का इतिहास साफ सुथरा है। ऐसे में आरोपी अरुण कुमार रेड्डी को जमानत दी जाती है। जस्टिस ने आरोपी को आईओ की ओर से आवश्यक होने पर जांच में शामिल होने और आईओ को अपना मोबाइल फोन नंबर देने का निर्देश दिया, जिसे हर समय चालू रखा जाएगा ताकि उससे संपर्क किया जा सके।

छत्तीसगढ़ में दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, अब तक 180 इनामी माओवादी सहित 801 ने किया सरेंडर

रायपुर, एजेंसी। भाजपा सरकार आने के बाद लगातार नक्सल अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षाबलों के जवान लगातार नक्सली एरिया में माओवादियों का उत्पात कम करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में दंतेवाड़ा पुलिस व सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह नक्सली बेचपाल पंचायत के डीएकेएमएस के सदस्य हैं।जानकारी के अनुसार जानकारी के अनुसार लोन वारंटू अभियान के तहत दो माओवादियों ने दंतेवाड़ा पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। दोनों नक्सली बंद के दौरान रोड खोदना, पेड़ काटना व बैनर पोस्टर लगाने की घटनाओं में शामिल थे। बता दें कि छत्तीसगढ़ के घोर नक्सल इलाके में पुलिस बल और सीआरपीएफ जवानों द्वारा लगातार नक्सलियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में जवान नक्सलियों से लगातार संवाद कर रहे हैं साथ ही गांव-गांव में जाकर इसका प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। जिसके परिणाम स्वरुप यह बदलाव माओवादी कैडर में दिखाई भी दे रहा है। लोन वारंटू अभियान के तहत अब तक 180 इनामी माओवादी सहित 801 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

नक्सलियों को मिलते हैं ये लाभ

बतादें कि छत्तीसगढ़ में आत्मसमर्पण करने पर नक्सलियों को 25 हजार रुपये मुआवजा राशि मिलती है। सरेंडर करने पर अन्य लाभ भी मिलेंगे। हार्ड-कोर रैंक होल्डर नक्सली के लिए आत्मसमर्पण की मुआवजा राशि 10 लाख रुपये है।

अवैध वेंडरों के के खिलाफ रेलवे ने चलाया अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने रेल यात्रियों से सामान का ज्यादा पैसा लेने वाले कई वेंडरों पर कार्रवाई की है। रेलवे के अनुसार उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन पर अवैध वेंडरों के के खिलाफ अभियान चलाया है। जिसमें अवैध वेंडर, भीड़ प्रबंधन, टिकट चेकिंग, खानपान, स्टालों पर ओवर चार्जिंग, खान पान की गुणवत्ता, उपलब्ध सामानों के एक्सपायरी तिथि की जांच बारीकी से की गयी। आईआरसीटीसी द्वारा संचालित सोपान रेस्टोरेंट की जांच में अत्यधिक गंदगी मिली और एक अवैध वेंडर बिना प्राधिकार के पकड़ा गया। प्लेटफार्म संख्या 9/10 पर संचालित कृष्णा कैटरिंग स्टाल पर भी गंदगी एवं पैसेंजर से ओवर चार्जिंग के के लिए जुर्माना लगाया गया। इस जांच अभियान में स्टालों के बाहर फैले सामानों और गंदगी के लिए 1500 रुपए का स्पॉटिंग शुल्क भी वसूल किया गया। इस दौरान 2 अवैध वेंडर को पकड़कर रेलवे सुरक्षा बल के सुपुर्द कर दिया। इस औचक निरीक्षण में बिना टिकट, अनियमित यात्रा, बिना बुक सामान और गंदगी फैलाने के लिए 124 यात्रियों को प्रभारित कर 77,760 रुपये वसूल किये गए। वहीं, अनधिकृत यात्रा, अनियमित यात्रा, स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने में 261 यात्रियों को नियमनुसार प्रभारित कर जुर्माने में 160300 रुपये वसूल किया गए। इस दौरान गाड़ी संख्या 22912, हावड़ा-इंदौर शिप्रा एक्सप्रेस के पैंट्री कार, प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर के स्टालों पर मान्य ब्रांड के आइटम होते हुए भी अन्य ब्रांड की सामग्री बेचने के कारण उन्हें जब्त किया गया। यात्री ध्यान रखें कि स्टेशनों या ट्रेन में कहीं आपसे सामान की ज्यादा कीमत तो नहीं वसूली जा रही है। इसलिए सामान खरीदने से पहले उसकी कीमत जरूर जांच लें।

भाजपा में गए दलबदलू विधायक जल्द सलाखों के पीछे होंगे, हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू की कांग्रेस के बागियों पर दो टूक

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कांग्रेस के दलबदलू विधायकों पर ऐक्शन का ऐलान कर दिया है। सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस छोड़ भाजपा में गए सभी छह विधायक जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे। शिमला में सोमवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सुक्खू ने कहा कि सरकार साढ़े तीन साल और चलेगी और 2027 में दोबारा चलेगी। उन्होंने कहा कि 1 जून के बाद राज्य की जनता भ्रष्ट लोगों को सबक सिखाएगी। शिमला में कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में आयोजित चुनावी रैली के दौरान वामपंथी सीपीआईएम के नेताओं ने भी शिमला में कांग्रेस के साथ एक मंच साझा किया। शिमला लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी ने सोमवार को सीएम सुक्खू की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया।

इसके बाद चौड़ा मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस से बगावत कर बीजेपी में शामिल हुए बागी विधायकों पर जमकर हमला बोला। सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के छह दागी नेता धन-बल के बल पर बिक गए और उन्होंने पार्टी से बगावत कर दी। सुक्खू ने कहा कि बजट 2024-25 पेश

करने के बाद सभी दागी नेताओं ने सरकार की तारीफ की, लेकिन जब उन्हें भाजपा ने पैसों का लालच दिया तो वे राजनीतिक बाजार में बिक गए और दूसरी किस्त लेने के लिए पंचकूला भाग गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास जनता की ताकत है। यह लड़ाई सरकार या मुख्यमंत्री पद बचाने की नहीं है, बल्कि उन भ्रष्ट लोगों को सबक सिखाने और संविधान और लोकतंत्र को बचाने की है। भाजपा नेताओं ने पैसे के माध्यम से सरकार गिराने की साजिश रची थी। यह चुनाव भविष्य की राजनीति तय करेगा।

सीएम सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता इन चुनावों में बीजेपी को हराकर खरीद-फरोख्त की राजनीति को करारा जवाब देगी और पूरे देश के लिए एक मिसाल कायम करेगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने एक राज्यसभा सीट चुरा ली है, लेकिन राज्य की जनता चारों लोकसभा सीटें कांग्रेस को देगी। उन्होंने कहा कि इन सभी भ्रष्ट लोगों को सलाखों के पीछे डाला जाएगा। सुक्खू सरकार साढ़े तीन साल और चलेगी। इसके बाद वर्ष 2027 में सरकार का पार्ट टू दोहराया जाएगा। छह बागी कांग्रेस विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश में चार लोकसभा सीटों के साथ-साथ विधानसभा के उपचुनाव 1 जून को आखिरी चरण में होंगे।

नक्सलियों को चुकानी होगी मासूमों की मौत की कीमत : विष्णु देव साय

रायपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल गए दो बच्चों की आईईडी की चपेट में आने से मौत हो गई। इस हादसे पर राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुख व्यक्त किया और कहा है कि नक्सलियों को इसकी कीमत चुकानी होगी। राज्य के मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को हुई घटना का जिक्र करते हुए एक्स पर लिखा, बीजापुर जिले के बड़े बोड़गा गांव के एक खेत में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से गांव के दो मासूम बच्चों के देहावसान की दुखद सूचना प्राप्त हो रही है। ईश्वर से उन अबोध बच्चों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ। मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं। उन्होंने आगे लिखा, नक्सलवाद का काला साया हमारे बच्चों को निगल रहा है, जिसे किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस घटना की जितनी निंदा की जाए कम है। नक्सलियों को मासूमों के करुण मौत की क़ीमत अवश्य चुकानी होगी। ज्ञात हो कि सोमवार को बीजापुर के भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के इंद्रावती नदी के तट पर बोड़गा गांव में दो बच्चे अपने पालकों के साथ तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। इसी दौरान आईईडी में धमाका हुआ, जिसमें उनकी मौत हो गई। इससे एक दिन पहले भी एक युवती की आईईडी की चपेट में आने पर मौत हुई थी। यह आईईडी जवानों को शिकार बनाने के लिए लगाए गए थे, मगर निर्दोष इसकी चपेट में आ गए। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों ने भी नक्सलियों के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है, जिसमें कई नक्सली मारे गए हैं।

जज रह चुके भाजपा उम्मीदवार गंगोपाध्याय पहुंचे हाई कोर्ट, हत्या के प्रयास में हो चुकी FIR

तमलुक, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की तमलुक लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और कलकत्ता हाई कोर्ट के पूर्व जज अभिजीत गंगोपाध्याय ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर मदद की गुहार लगाई है। उन पर पुलिस ने हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया है। उन्होंने पुलिस पर अनावश्यक कार्रवाई करने और परेशान करने का आरोप लगाया है। आज उनसे जुड़े केस पर हाई कोर्ट सुनवाई करेगा। पूर्व जज अभिजीत गंगोपाध्याय से जुड़ा मामला न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की अदालत में पेश किया गया है। पुलिस पर दुर्भावनापूर्ण और अनावश्यक कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए गंगोपाध्याय के अधिवक्ता राजदीप मजूमदार ने अदालत के समक्ष कहा कि उनके मुवक्किल को चुनाव प्रचार करने से रोकने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई है। मजूमदार ने कहा कि गंगोपाध्याय के खिलाफ धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मामला क्या है : गंगोपाध्याय चार मई को जब अपना नामांकन पत्र दाखिल करने गए थे तब तृणमूल कांग्रेस से संबद्ध किसी शिक्षक संगठन से जुड़े होने का दावा करने वाले कुछ लोगों द्वारा उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए जाने की कथित घटना सामने आई थी। गंगोपाध्याय के वकील ने दावा किया कि कुछ लोगों ने पूर्व मेदिनीपुर जिलाधिकारी कार्यालय के पास आंदोलन कर रहे प्रदर्शनकारियों का विरोध किया। मजूमदार ने कहा कि पूर्व न्यायाधीश जिलाधिकारी के कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल करने गए थे और उनका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है लेकिन इसके बावजूद उनका नाम प्राथमिकी में शामिल किया गया और इस प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया है। गंगोपाध्याय ने इसी साल मार्च में कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से इस्तीफा दे दिया था और भाजपा की सदस्यता ले ली थी। जिसके बाद पार्टी ने उन्हें तमलुक लोकसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है। गंगोपाध्याय ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त विद्यालयों में भर्तियों में अनियमितताओं के आरोपों से संबंधित कई मामलों की जांच सीबीआई से कराए जाने का आदेश दिया था।

मुंबई में आंधी ने मचाया कोहराम, 12 की मौत और 64 घायल, 5 लाख रुपये मुआवजे का ऐलान

मुंबई, एजेंसी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को सोमवार को जोरदार आंधी ने हिला डाला। धूल भरी इस आंधी के चलते लोग जहां के तहां फंस गए और कई जगहों पर ट्रैफिक बाधित रहा। कई उड़ानों पर भी इसका असर पड़ा है। तेज हवाओं के चलते कहीं पेड़ गिर गए तो कहीं बैनर और बिलबोर्ड्स आदि आंधी में नीचे आ गिरे। एक ऐसा ही बड़ा सा बिलबोर्ड गिरने के चलते 12 लोगों की मौत हो गई और 64 लोग घायल हैं।

20 से ज्यादा लोग अंदर फंसे बताए जा रहे हैं। घायलों को राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल का दौरा करने वाले बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने कहा, अब तक राजावाड़ी अस्पताल में कुल 64 लोग एडमिट हुए हैं। 4 लोगों को अस्पताल में मृत घोषित किया गया और 4 लोग मौके पर ही मृत पाए गए थे। बलबोर्ड गिरने की घटना मुंबई के घाटकोपर इलाके की है। बिलबोर्ड एक पेट्रोल पंप के सामने लगा था, जो आंधी आने पर पंप के बीचोंबीच जा गिरा, जहां कुछ लोग मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक, घाटकोपर में होर्डिंग ढहने की घटना के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे दुर्घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की मदद का ऐलान किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बचावकर्मी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। मलबे में फंसे जीवित बचे लोगों की तलाश की जा रही है। मालूम हो कि मुंबई में इस सीजन की यह पहली बारिश है।

बारिश होने से मुंबई और उसके आसपास के इलाके के लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। हालांकि, धूल भरी हवाओं के चलते लोगों को परेशानियों का सामना जरूर करना पड़ा। तेज धूल भरी आंधी चली जिससे आज दोपहर में 3 बजे ही आसमान में अंधेरा छा गया। पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। वित्तीय राजधानी के कई जिलों में बिजली गुल हो गई। ऐसे में लोगों की परेशानियां और भी ज्यादा बढ़ गईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि मुंबई के आसपास कई इलाकों में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। ठाणे, पालघर और मुंबई में बिजली गिरने, मध्यम से तेज बारिश और तूफान आने की आशंका है। आईएमडी ने इसे लेकर नाउकास्ट वार्निंग जारी की है। वहीं, बिजली के तार पर बिलबोर्ड गिर जाने से आरे और अंधेरी ईस्ट के बीच मेट्रो नहीं चल सकी। तेज हवाओं के कारण ठाणे और मुलुंड के बीच रूट पर एक खंभा झुक जाने से ट्रेनें प्रभावित हुईं। मध्य रेलवे के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि मेन लाइन पर सबअर्बन सर्विस रोक दी गई है। बेमौसम बारिश से चिलचिलाती गर्मी से कुछ तक राहत जरूर मिली, मगर ठाणे के कलवा और कुछ अन्य इलाकों में बिजली गुल होने से परेशानी बढ़ गई।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
केकेआर	13	9	3	1	19	+1.428
राजस्थान रॉयल्स	12	8	4	0	16	+0.349
चेन्नई सुपरकिंग्स	13	7	6	0	14	+0.528
सनराइजर्स हैदराबाद	12	7	5	0	14	+0.406
दिल्ली कैपिटल्स	14	7	7	0	14	-0.377
आरसीबी	13	6	7	0	12	+0.387
लखनऊ सुपरजायंट्स	13	6	7	0	12	-0.787
गुजरात टाइटंस	13	5	7	1	11	-1.063
मुंबई इंडियंस	13	4	9	0	8	-0.271
पंजाब किंग्स	12	4	8	0	8	-0.423

ऑरेंज कैप

विराट कोहली	आरसीबी	661
गायकवाड़	चेन्नई सुपरकिंग्स	583
ट्रेविस हेड	सनराइजर्स हैदराबाद	533

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह	मुंबई इंडियंस	20
हर्षल पटेल	पंजाब किंग्स	20
वरुण चक्रवर्ती	केकेआर	18

इम्पैक्ट प्लेयर के नियम से रोमांचक हुए मैच : शास्त्री

● नई दिल्ली एजेंसी।

भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम का समर्थन करते हुए कहा है कि इसने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रोमांचक मैच कराने में योगदान दिया है।

शास्त्री ने आर अश्विन के यूट्यूब चैनल पर कहा कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम अच्छा है। आपको समय के साथ ढलना होगा। आप पता हैं कि ऐसा दूसरे खेलों में भी होता है। इससे आपको मुश्किल मैच देखने को मिलते हैं। आपको समय के साथ ढलना होगा और मुझे लगता है कि यह अच्छा नियम है। आपने देखा पिछले सत्र में कितने नजदीकी मैच देखने को मिले थे। तो आप जानते हैं कि यह एक बड़ा अंतर पैदा करता है। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि जब कोई नए नियम आते हैं तो कुछ लोग होते हैं जो सफाई देते हैं कि यह क्यों सही नहीं है। लेकिन इसी समय पर जब आप 200-190 के स्कोर देखते हो और कोई खिलाड़ी मिले अवसर का भरपूर फायदा उठाता है तो लोग दोबारा

सोचना शुरू करते हैं कि यह कैसा दिखता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने गुरुवार को इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर कहा था कि इम्पैक्ट प्लेयर को परीक्षण के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। हमने इसे धीरे-धीरे लागू किया है। इसका सबसे बड़ा एडवांटेज यह है कि हर मैच में दो भारतीय खिलाड़ियों को अवसर मिल रहा है। हम खिलाड़ियों, फ्रैचाइजियों, ब्रॉडकास्टर्स से चर्चा करेंगे। यह नियमित नहीं है लेकिन मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि हम देखेंगे कि यदि इससे मैच और प्रतिस्पर्धी बना है या नहीं। फिर भी अगर खिलाड़ी सोचता है कि यह सही नहीं है तो हम उनसे बात करेंगे। लेकिन अभी तक किसी ने हमसे कुछ नहीं कहा। इस पर विश्वकप के बाद फैसला होगा। उल्लेखनीय है कि सबसे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम की आलोचना की थी। इसके आलवा अक्षर पटेल और मुकेश कुमार ने भी कहा है कि यह नियम ठीक नहीं है। इस नियम को पिछले वर्ष सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में लागू करने के बाद पिछले आईपीएल सत्र में लाया गया था, जिसके तहत टॉस के समय चुनी गई मुख्य एकादश से कभी भी समय 12 वें खिलाड़ी के रूप में किसी अन्य खिलाड़ी से बदलकर इसको लाया जा सकता है।

निकहत जरीन ने जीत के साथ की शानदार शुरुआत

अस्ताना (कजाकिस्तान), एजेंसी। मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन ने एलोर्डा कप 2024 टूर्नामेंट के (52 किग्रा) वर्ग में कजाकिस्तान की राखिमबर्दी झानसाया को 5-0 से हराते हुए अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। इसके साथ ही मिनाक्षी (48 किग्रा) ने भी कजाकिस्तान की गैसीमोवा रोक्साना पर 4-1 से जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाई। एक अन्य मुकाबले में

अनामिका ने 50 किग्रा वर्ग के मुकाबले के पहले दौर में रेफरी स्टॉप द कॉन्टेस्ट (आरएससी) की जीत के साथ झुमाबायेवा अरैलीम को हराया। इस बीच, इश्मीत सिंह (75 किग्रा) और सोनिया (54 किग्रा) वर्ग में क्रमशः कजाकिस्तान के अर्मानुली आर्मैट और चीन के चांग युआन के खिलाफ 0-5 से हारकर बाहर हो गए। छह बार के एशियाई चैंपियन शिव थापा (63.5 किग्रा), संजय (80 किग्रा) और गौरव चौहान (92प्लस) तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ स्पर्धा करेंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए 21 सदस्यीय टीम भेजी है। टूर्नामेंट में कजाकिस्तान, चीन, भारत, जापान और उज्बेकिस्तान जैसे मजबूत मुक्केबाजी देशों के मुक्केबाज स्पर्धा हिस्सा ले रहे है।

खास खबर

नाओमी ओसाका को हराकर झेंग क्विनवेन इटालियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में

रोम : सातवीं वरीयता प्राप्त चीन की महिला टेनिस खिलाड़ी झेंग किनवेन ने सोमवार को डब्ल्यूटीए 1000 रोम मास्टर्स के चौथे दौर में पूर्व विश्व नंबर वन जापान की नाओमी ओसाका को 6-2, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। चीनी खिलाड़ी किनवेन ने डब्ल्यूटीए 1000 सीरीज में अपनी छाप छोड़ी है। वह अपने करियर में चार बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल तक पहुंची है। मैच के बाद झेंग क्विनवेन ने कहा कि मुझे यहां इटली में खेलना पसंद है। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि उसे हराना हमेशा कठिन होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह किस स्तर पर है क्योंकि वह पहले भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकी है। उन्होंने ओसाका के सम्मान में कहा कि मां बनने के बाद वापस आना आसान नहीं है। ऐसे खिलाड़ी के लिए मेरे मन में हमेशा बहुत सम्मान है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आज मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंकने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मुझे वास्तव में खुद पर गर्व है।

बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी अर्नाल्डी और पासारो को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में

रोम : रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की युगल जोड़ी माटेओ अर्नाल्डी और फ्रांसेस्को पासारो की जोड़ी को हराकर इटालियन ओपन 2024 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी की क्ले कोर्ट पर यह पहली जीत दर्ज है। उन्होंने 52 मिनट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी और पासारो की जोडी को 6-2, 6-2 से हराया। अगले दौर में बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का मुकाबला सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावसोरी की जोड़ी से होगा। बोलेली और वावसोरी ने क्रिस्टोफर यूबैंक्स और जॉन पीयर्स की जोड़ी को 82 मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 7-6(4), 6-3 के स्कोर से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

जुबा संघा ने जीता दिल्ली वुमेंस लीग चैंपियनशिप का खिताब

नई दिल्ली : जुबा संघा ने मंगलवार को दिल्ली यूनाइटेड को हराकर फुटबॉल दिल्ली वुमंस लीग चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पर खेले गए फाइनल मुकाबले में जुबा संघा ने दिल्ली यूनाइटेड फुटबॉल क्लब को 4-1 से हराया। विजेता टीम जुबा संघा की जीत का आकर्षण निधि रही, जिसने यूनाइटेड की रक्षापंक्ति को बार-बार हैरान परेशान करते हुए तीन गोल दागे। हालांकि यूनाइटेड ने 12वें मिनट में मैच का पहला गोल जमाकर बढ़त बनाई। लेकिन चार मिनट बाद मनीषा ने हिसाब बराबर कर दिया। उस समय जब मुकाबला बराबरी पर चल रहा था नीधि ने 12 मिनटों के अंदर तीन दर्शनीय गोल जमाकर अपनी तिकड़ी पूरी की और जुबा संघा की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। बॉलीवुड अभिनेत्री चारू शंकर ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। दोनों टीमें आगामी सीजन में वुमंस प्रीमियर लीग के लिए क्वालीफाई भी कर लिया हैं।

अखिल भारतीय कुश्ती महासंघ ने खंडेलवाल को दिया समर्थन

नई दिल्ली : अखिल भारतीय कुश्ती महासंघ ने दिल्ली के चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल को अपना पूरा समर्थन दिया। महासंघ ने दिल्ली के सिविल लाइन्स में एक आयोजन में खंडेलवाल को हनुमान की गदा भेंटकर सम्मानित कर अपने पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। इस अवसर पर खंडेलवाल ने वहां उपस्थित द्रोणाचार्य पुरस्कार से 2016 में सुसज्जित माना सिंह राव और 2015 में सुसज्जित राज सिंह को मंच पर बुला कर सम्मानित किया तथा कुश्ती के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की खेल संस्कृति को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें कुश्ती का भी महत्वपूर्ण स्थान है। देश भर में कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए कई ठोस योजनाएं बनाई गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को इस पारंपरिक खेल से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना और जरूरी सुविधाएं मुहैया कराना है।

दिल्ली ने लखनऊ को हराया

इशांत ने झटके तीन विकेट, प्लेऑफ में पहुंची राजस्थान रॉयल्स

● नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल-2024 के 64वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हराया। दिल्ली की जीत के साथ ही राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई हो गई है। दिल्ली 14 अंक लेकर पॉइंट्स टेबल के 5वें नंबर पर आ गई है। वहीं, लखनऊ 12 अंक के साथ 7वें नंबर पर है। टीम को अगला मैच जीतना ही होगा। टीम 17 मई को मुंबई से खेलेगी। अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार को लखनऊ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है। दिल्ली ने होमग्राउंड पर 20 ओवर में 4 विकेट पर 208 रन बनाए। जवाब में लखनऊ 20 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन ही बना सकी। इशांत शर्मा ने 3 विकेट झटके। अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, खलील अहमद और ट्रिस्टन स्टब्स ने एक-एक विकेट लिए। एक बैटर रनआउट हुआ। लखनऊ की ओर से निकोलस पूरन ने 61 रन की पारी खेली और अरशद खान ने नाबाद 58 रन बनाए। दिल्ली की ओर से अभिषेक पोरेल ने 33 गेंद पर 58 रन की पारी खेली, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने 25 गेंद पर नाबाद 57 रन स्कोर किए। शाई होप ने 38 और कप्तान ऋषभ पंत ने 33 रन बनाए। नवीन-उल-हक ने 2 विकेट झटके। अरशद खान और रवि बिश्नोई को एक-एक विकेट मिला। वहीं दिल्ली की जीत का फायदा राजस्थान रॉयल्स को मिला जिसके कारण वो प्लेऑफ में प्रवेश कर गए। अब तक सिर्फ केकेआर और राजस्थान ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
फ्रेजर का नवीन बो अरशद	00	2	0	0
पोरेल का पूरन बो नवीन	58	33	5	4
शाइ होप का राहुल बो बिश्नोई	38	27	3	2
पंत का हुडा बो नवीन	33	23	5	0
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	57	25	3	4
अक्षर पटेल नाबाद	14	10	2	0
अतिरिक्त : 08 रन				
कुल : 20 ओवर में चार विकेट पर 209 रन				
विकेट पतन: 1-2, 2-94 , 3-111 , 4-158				

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
अरशद खान	3	0	45	1
मोहसिन खान	4	0	29	0
युद्धवीर सिंह	2	0	28	0
नवीन-उल-हक	4	0	51	2
रवि बिश्नोई	4	0	26	1
क्रुणाल पंड्या	2	0	20	0
दीपक हुडा	1	0	9	0

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4	6
डी कॉक का मुकेश बो शर्मा	12	8	2	0
राहुल का मुकेश बो शर्मा	05	3	1	0
स्टोइनिस स्टंप पंत बो पटेल	05	7	1	0
दीपक पगबाधा बो शर्मा	00	2	0	0
पूरन का पटेल बो मुकेश	61	27	6	4
बडोनी का गुलबदीन बो स्टब्स	06	9	0	0
क्रुणाल स्टंप पंत बो कुलदीप	18	18	2	0
अरशद खान नाबाद	58	33	3	5
युद्धवीर का होप बो अहमद	14	7	1	1
रवि बिश्नोई रन आउट	02	2	0	0
नवीन नाबाद	02	4	0	0
अतिरिक्त : 06 रन				
कुल : 20 ओवर में नौ विकेट पर 189 रन				
विकेट पतन: 1-7, 2-24 , 3-24, 4-44, 5 -71, 6-101, 7-134, 8-167, 9-183				

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
इशांत शर्मा	4	0	34	3
खलील अहमद	2	0	22	1
अक्षर पटेल	1	0	20	1
मुकेश कुमार	4	0	33	1
कुलदीप यादव	4	0	33	1
ट्रिस्टन स्टब्स	1	0	4	1
गुलबदीन नायब	1	0	12	0
रसिख सलाम	3	0	30	0

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए यूरोप रवाना

● बेंगलुरु, एजेंसी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम यूरोप में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के लिए मंगलवार सुबह एंटवर्प, बेल्जियम के लिए रवाना हो गई।

भारत वर्तमान में शीर्ष स्तर पर नीदरलैंड्स और ऑस्ट्रिलया के बाद पॉइंट टेबल में तीसरे स्थान पर है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के तहत बेल्जियम चरण 22 मई को शुरू होगा और 30 मई को समाप्त होगा जबकि इंग्लैंड चरण एक जून को शुरू होगा और 12 जून को समाप्त होगा। भारत दोनों चरणों में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ दो-दो बार खेलेगा। भारतीय टीम का 22 से 26 मई के बीच एंटवर्प में मेजबान बेल्जियम ओर अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद लंदन में एक से नौ जून तक जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ मैच खेलेगी। भारत वर्तमान में आठ मैचों में 15 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। भारत जहां इस प्रतिष्ठित लीग में शीर्ष स्थान पर पहुंचने के लिए खेलेगा वहीं उनका ध्यान जुलाई में पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों से पहले अपनी कमियों को पूरी तरह दूर करने पर भी होगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने टीम की रवानगी से पहले कहा कि टीम एक और

चुनौतीपूर्ण मुकाबले के लिए काफी उत्साहित है, जहां हम एफआईएच हॉकी प्रो लीग में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों से भिड़ेंगे। हमने पिछले कुछ हफ्तों में साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) बेंगलुरु में एक बहुत ही गहन प्रशिक्षण शिविर में पसीना बहाया है। टीम हर स्तर पर अपना अच्छा प्रदर्शन कर रही है और प्रो लीग एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है हमारे लिए ओलंपिक से पहले अपनी खामियों को दूर करना है। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ने कहा कि ओलंमिक में बेल्जियम और अर्जेंटीना के साथ ही आस्ट्रेलिया, आयरलैंड और न्यूजीलैंड भी हमारे पूल में हैं।

भारत का हेड कोच बनना चाहते हैं लैंगर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी और लखनऊ सुपर जायंट्स के मौजूदा कोच जस्टिन लैंगर ने टीम इंडिया का हेड कोच बनने की इच्छा जताई है। लैंगर ने कहा कि मैं इस काम के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने यह बात हाल ही में दिए इंटरव्यू में कही है। फिलहाल राहुल द्रविड़ टीम इंडिया के हेड कोच हैं। इंटरव्यू में लैंगर से पूछा गया, क्या आप टीम इंडिया के कोच के पद के लिए आवेदन करेंगे? जवाब में उन्होंने कहा कि मैंने इसके

बारे में कभी सोचा नहीं। हालांकि मैं उत्सुक हूं। मेरे मन में किसी भी इंटरनेशनल कोच के लिए गहरा सम्मान है क्योंकि मैं दबाव को समझता हूं। भारतीय टीम को कोचिंग देना एक असाधारण काम होगा क्योंकि इस देश में बहुत- सी प्रतिभाएं हैं। राहुल द्रविड़ को नवंबर 2021 में भारत का हेड कोच बनाया गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के हेड कोच पद के लिए आवेदन मंगवाए हैं। बोर्ड ने सोमवार देर रात उम्मीदवारों के लिए विज्ञापन जारी किया। उम्मीदवार 27 मई की शाम 6 बजे तक अप्लाई कर सकते हैं। राहुल द्रविड़ फिलहाल टीम इंडिया के हेड कोच हैं। उनका कार्यकाल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो जाएगा। 53 साल के लैंगर ऑस्ट्रेलिया मेंस टीम के कोच थे। उन्होंने 2018 से 2022 तक ऑस्ट्रेलिया टीम को कोचिंग दी।

सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंची मनिका बत्रा

नई दिल्ली : भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने महिला एकल रैंकिंग में अपने करियर की सर्वोच्च विश्व रैंकिंग हासिल करते हुए 24वां स्थान हासिल किया है। नवीनतम अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) रैंकिंग मंगलवार को जारी की गई। यह पहली बार है कि कोई भारतीय महिला एकल में शीर्ष 25 में पहुंची है। विश्व रैंकिंग में मनिका की स्थिति में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ है, उन्होंने अपने सऊदी स्मैश अभियान के बाद 15 स्थानों की एक लंबी छलांग लगाई। मनिका बत्रा ने एकल टेबल टेनिस में किसी भारतीय द्वारा हासिल की गई सर्वोच्च रैंक के साथियान गणानाशेखरन के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है।

पंजाब किंग्स के सामने राजस्थान की कड़ी चुनौती

राजस्थान रॉयल्स की निगाहें प्लेऑफ पर, चाहिए सिर्फ एक जीत

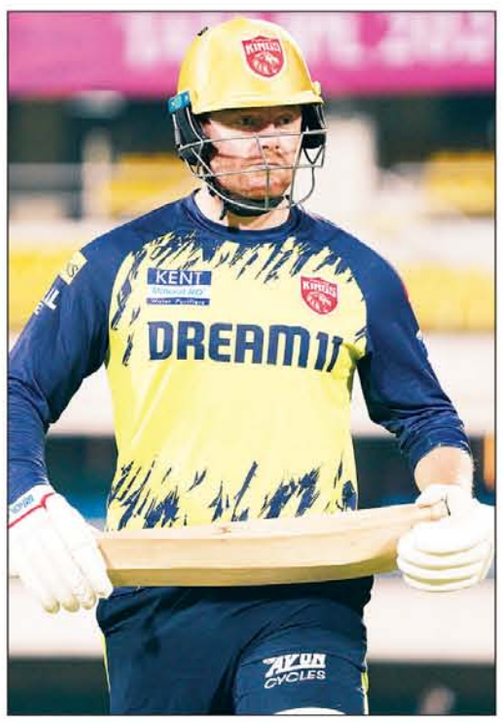

● गुवाहाटी, एजेंसी।

आईपीएल 2024 के 65वें मैच में राजस्थान रॉयल्स की टक्कर पंजाब किंग्स से होगी। ये मैच राजस्थान के दूसरे होम गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ये इस मैदान पर आईपीएल 2024 का पहला मैच होगा। राजस्थान ने गुवाहाटी को अपना दूसरा होम ग्राउंड बनाया है। पंजाब किंग्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। वहीं, राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2024 के पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। उसे प्लेऑफ का टिकट कटाने के लिए सिर्फ एक जीत की दरकार है। हालांकि, एक गलती भी उसपर भारी पड़ सकती है।

राजस्थान रॉयल्स भले ही आईपीएल 2024 के पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। लेकिन, संजू सैमसन की अगुआई वाली ये टीम अपने पिछले तीन मैच हार चुकी है। राजस्थान ने अबतक 12 मैच खेले हैं और उसके 16 अंक हैं। उसके आखिरी दो मुकाबले पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स से हैं। अगर पंजाब से राजस्थान मुकाबला जीत लेती है तो फिर प्लेऑफ का टिकट पक्का और अगर हार जाती है तो फिर टेबल टॉपर केकेआर के खिलाफ उसका मुकाबला करो या मरो वाला ही होगा।

राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए पिछले 5 मैच की अगर बात करें तो राजस्थान ने चार मैच जीते हैं। इस सीजन में हुआ पिछला मुकाबला राजस्थान ने एक गेंद रहते 3 विकेट से जीता था। ऐसे में राजस्थान का पलड़ा भारी है। दोनों टीमों के बीच ओवरऑल 27 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से 16 राजस्थान और 11 पंजाब ने जीते हैं। राजस्थान की ताकत उसकी बल्लेबाजी है। पूरे सीजन में राजस्थान के लिए संजू सैमसन और रियान पराग ने जबरदस्त बल्लेबाजी की। जोस बटलर ने भी टीम के लिए दो शतक ठोके। हालांकि, टीम का मध्यक्रम रन नहीं बना पा रहा है। दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में टीम की हार की एक ये भी वजह थी। साथ ही गेंदबाज भी अहम मौकों पर रन लुटा रहे हैं। संजू ने 10 मैच में 389 रन बनाए हैं। वहीं, रियान ने 10 मैच में 356 रन ठोके हैं। युजवेंद्र चहल और आवेश खान टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। चहल ने 10 मैच में 12 और आवेश ने 10 मैच में 10 विकेट लिए हैं। पंजाब किंग्स पॉइंट्स टेबल में आखिरी स्थान पर है। पंजाब के फीके प्रदर्शन की वजह टीम के टॉप ऑर्डर का इस सीजन में खराब प्रदर्शन भी है। शिखर धवन भी नाकाम रहे। वहीं, जॉनी बेयरस्टो के भले ही 8 मैच में 267 रन बनाए। लेकिन, उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी साफ नजर आई। पंजाब के लिए शशांक सिंह जरूर गेमचेंजर रहे। उन्होंने 10 मैच में 331 रन ठोके हैं। राजस्थान के खिलाफ मैच में भी उनसे उम्मीद होगी।

थोड़ा-सा बदलाव कर खुद को करें अपडेट

आप घर से ऑफिस और ऑफिस से घर तक ही सीमित रह गई हैं? अगर जवाब 'हां' में है तो कुछ बातों को जीवन में उतारकर अपनी पुरानी-सी और एक ही ढर्रे पर चलने वाली जिंदगी को बाय-बाय करना होगा। वक्तके अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी है, वर्ना जमाना आगे निकल जाएगा और आप सोचती ही रह जाएंगी। सकारात्मक सोच और रोजाना की दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव करके आप मॉडर्न दिखने के साथ ही समय के साथ भी चल सकेंगी।

1 कामकाजी स्त्री के लिए मॉर्निंग वॉक पर जाना थोड़ा कठिन जरूर होता है लेकिन अपने आप को फिट रखने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है। दिनभर में कम से कम 30-35 मिनट अपने लिए जरूर निकालें। सुबह की सैर करने से मन में ताजगी आती है और दिनभर काम करने की ऊर्जा मिलती है। यदि मॉर्निंग वॉक पर न जा सकें तो योग और व्यायाम से भी चेहरे की चमक और रौनक हासिल की जा सकती है।

2 भड़कीले रंगों या ज्यादा एंब्रॉयडरी वाले कपड़ों को पार्टी या इवेंट्स के लिए ही रखें। अपने वॉर्डरोब में रोज में पहनने वाले सिंपल और कंफर्टेबल आउटफिट्स की संख्या बढ़ाएं।

फैशन ट्रेंड्स को फॉलो करना सही है, लेकिन वही पहनें जिसमें सहज रह सकें।

3 घर हो या ऑफिस, दोनों जगह जो बात जीवंत और प्रसन्ना बनाए रख सकती है, वह है- ज्ञान या नॉलेज। खुद को समय के साथ चलने लायक बनाना है तो रोज कम से कम एक समाचार पत्र पढ़ें, पत्रिकाएं लें, साथ ही सोशल गैदरिंग का हिस्सा बनें।

नौकरी करती हों या होम मैनेजर हों, खुद को हमेशा सीखने के लिए तैयार रखें।

4 चेहरे की रौनक बनाए रखने के लिए भरपूर मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लें। भोजन पौष्टिक हो। इसके अलावा 6 से 8 घंटे की नींद लें, ताकि चेहरा थका-थका सा न लगे।

5 अगर मानसिक थकान हो तो बच्चों के साथ खेलें, उनसे बात करें, संगीत सुनें या फिर बागवानी जैसे काम करें। इन कार्यों से थकान गायब होती है और कुछ क्रिएटिव करने का सुकून भी मिलता है।

6 घर या ऑफिस में कई उलझनें अक्सर परेशान करती हैं। कई बार खुद तक सीमित रखने से मन की उलझनें बढ़ती जाती हैं। ऐसे में किसी दोस्त या भरोसेमंद व्यक्ति से अपनी बात शेयर करें। हो सकता है कि जिस समस्या का हल आपको न मिल पा रहा हो, उसका कोई हल उसके पास हो।

7 वीकेंड पर घर में अकेले बैठे रहने के बजाय बच्चों के साथ पार्क जाएं, पिकनिक करें, दोस्तों-रिश्तेदारों से मिलने जाएं या घर पर ही किसी को आमंत्रित करें। इससे दिनचर्या की एकरसता टूटेगी और नई ऊर्जा भी मिलेगी।

8 सादगी में एक खूबसूरती छिपी है लेकिन कभी-कभी हल्का मेकअप करना, खुद को अच्छी तरह संवारना भी जरूरी है। अपना पर्सनल स्पेस निकालें और महीने-दो महीने में एक बार फेशियल कराएं या स्पा लें। इससे स्ट्रेस दूर होगा और चेहरे की मसाज होने से थकान भी कम होगी।

9 अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। पड़ोस में रहने वाले लोगों से संपर्क बनाए रखें और अपनी सोसाइटी की आरडब्ल्यूए के कार्यक्रमों में भागीदारी करें। इससे सामाजिक व्यवहार बना रहेगा और किसी मुश्किल वक्त में पड़ोस के लोग काम भी आएंगे।

10 अगर घर में रहते हुए कुछ करना चाहती हैं तो अपने समय से एक-दो घंटे निकालें और बच्चों को पढ़ाएं। हो सकता है, आसपास कुछ बच्चों को आपकी जरूरत हो। अपनी शिक्षा का इस्तेमाल उन्हें पढ़ाने में करें। आपका समय भी अच्छा बीतेगा, नया ज्ञान भी मिलेगा और बच्चों का भविष्य भी संवरेगा।

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है।

आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद

अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है।

इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं।

कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिढ़चिढ़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

खतरनाक है अखबार पर रखकर खाना

देश के खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई ने खाने की चीजों को अखबार में रखने, पैक करने या रखकर खाने के प्रति लोगों को आगाह किया है और इसे खतरनाक व जहरीला बताया है। एफएसएसएआई का कहना है अखबारों में रखे खाने के जरिए लोगों के शरीर में कैंसर जैसे रोग के कारक तत्व पहुंच रहे हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकार (एफएसएसएआई) ने इस बारे में एक परामर्श जारी किया है।

इसमें कहा गया है,' खाने या खाद्य पदार्थों को अखबारों में रखना या लपेटना अस्वास्थ्यकारी है और इस तरह के खाद्य उत्पाद या खाना खाना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है भले ही उक्त खाना कितना अच्छा बना हो। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने एफएसएसएआई से कहा था कि वह इस बारे में परामर्श जारी करे। परामर्श में कहा गया है कि चूंकि अखबार छापने वाली स्याही में अनेक खतरनाक बायोएक्टिव तत्व होते हैं जिनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी सभी को है। इसके साथ ही प्रकाशन स्याही में हानिकारक रंग, पिगमेंट व परिरक्षक आदि हो सकते हैं।

इसमें कहा गया है कि बुजुर्गों, किशोरों, बच्चों व किसी रोग से पीडित लोगों को अखबारों में खाना देना खतरनाक हो सकता है. एफएसएसएआई ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों से कहा है कि वे इस बारे में लोगों को जागरक करें।

दिल बाग-बाग हो जाए

घर की बालकनी में पौधे लगाने का एक दिलचस्प तरीका है हैंगिंग गार्डेन। घर के इस छोटे से हिस्से में लटकते हुए गमलों से घर को हरियाली और सुंदरता दोनों ही मिलती है..

कहते हैं आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। महानगरों में जहां कंक्रीट के जंगल खड़े होते जा रहे हैं, वहां अपने चारों ओर हरियाली देखना एक सपने जैसा है, लेकिन यह सपना पूरा हो सकता है। हैंगिंग गार्डेन के रूप में। हर घर में बालकनी तो होती ही है, इस बालकनी का इस्तेमाल हरियाली के अपने शौक के लिए किया जा सकता है।

हैंगिंग गार्डेन

इस तरह के बगीचे में आपको पौधे लगाने के लिए जमीन के इस्तेमाल की जरूरत नहीं पड़ती। इसमें छोटे-छोटे गमलों को छत पर हुक बनाकर लटकाया जा सकता है। यही नहीं ग्रिल का इस्तेमाल भी हैंगिंग पाट्स लगाने के लिए किया जा सकता है।

इससे बालकनी का फ्लोर एरिया बच जाता है, जिसका इस्तेमाल आप दूसरे कामों में कर सकते हैं। इसके साथ ही घर का यह कोना हरियाली और खूबसूरती से भर जाता है।

सजावट भी है जरूरी

पौधों को एक क्रम में लगाने के लिए हुक, चेन और तरह-तरह के आकार वाले गमले तो आते ही हैं। आजकल हैंगिंग गार्डेन को खूबसूरत बनाने के लिए ढेर सारी एक्सेसरीज भी बाजार में उलपब्ध हैं।

प्लांट कंटेनर- आजकल बाजार में रंग-बिरंगे प्लांट कंटेनर आ रहे हैं। ये अपने आप में शोपीस की तरह लगते हैं।

बर्ड बाउल या नेस्ट- इसमें आप चिडियों के लिए पानी और दाना डाल सकते हैं, ताकि पक्षी भी आकर आपके हैंगिंग गार्डेन का लुत्फ उठा सकें।

हैंगिंग्स- पाट्स के बीच-बीच में लगाने के लिए बेहद खूबसूरत हैंगिंग्स और दूसरी तरह के शो पीस का इस्तेमाल करके भी गार्डेन की खूबसूरती में चार चांद लगा सकते हैं।

रंग-बिरंगे पाट्स

आजकल खासतौर पर प्लास्टिक के पाट्स आते हैं। ये बेहद हल्के होते हैं और इनका रखरखाव भी आसान है। इसके अलावा इनके टूटने का खतरा नहीं होता और खराब होने पर इन्हें बदलना महंगा भी नहीं पड़ता। इसके अलावा राट आयरन के हैंगिंग स्टैंड भी काफी पसंद किए जा रहे हैं। इनमें कोकोलाइनर की बास्केट लगी होती है। इसकी सजावट के लिए हल्के वजन का बुरादा, जिसे कोकोपीट कहते हैं और ग्रास भी आती है। चीनी मिट्टी के गमले भी हैंगिंग गार्डेन में इस्तेमाल किए जाते हैं, लेकिन ये काफी भारी होते हैं और इनके टूटने का खतरा भी ज्यादा होता है। इसलिए इनका प्रयोग कम किया जाता है। ये थोड़े महंगे भी होते हैं।

कैसे करें देखभाल

- आमतौर पर हैंगिंग गार्डेन में लोग इस तरह के पौधे लगाना पसंद करते हैं, जिन्हें ज्यादा देखभाल की जरूरत न हो। बेल या पौधे, जिनमें दो दिन में एक बार पानी देने की जरूरत पड़े।
- आजकल बाजार में ऐसी एक्सेसरीज भी उपलब्ध हैं, जिनमें हैंगिंग गार्डेन का ध्यान रखना अपेक्षाकृत सुविधाजनक हो जाता है।

जिन आदतों से हमारा शरीर स्वस्थ्य रहता है और बीमारियों से दूर रहता है । आपको बता दें कि इन आदतों का फायदा न के बराबर है।

आप जिन 4 हेल्थी हैबिट्स का रोजाना करते है इस्तेमाल उनका नहीं है कोई फायदा

आप और हम सालों से अपनी रोजमर्रा की लाईफ में हेल्थी हेबिट्स का इस्तेमाल यह कहते हुए करते आ रहे हैं कि इन आदतों से हमारा शरीर स्वस्थ्य रहता है और बीमारियों से दूर रहता है लेकिन हम आपको बता दें कि इन आदतों का फायदा न के बराबर है। आज हम आपको देंगे ऐसी जानकारी जो इन आदतों के बारे में आपकी सोच बदल के रख देंगे।

टॉयलेट सीट पर टिशु पेपर

साफ-सफाई पसंद करने वाले लोग अक्सर टॉयलेट सीट पर भी टिशु पेपर बिछाना पसंद करते हैं जबकि ऐसा करके आप टॉयलेट में मौजूद सारी गंदगी को टिशु के जरिये शरीर के और पास ले आते हैं।

कान साफ करना

बहुत से लोग कान में ईयर बड घुसाकर उसे साफ करने के जतन करते नजर आते हैं। लेकिन हम आपको बता दें कि कान के बाहरी हिस्से कि सफाई के अलावा उसे साफ करने का कोई मतलब नहीं होता। असल में आप कान के वैक्स को और अन्दर की तरफ धकेलने के आलावा और कुछ भी नहीं कर रहे होते।

फ्रूट जूस

भारतीयों में फ्रूट जूस पीने की आदत भी बाकी देशों के मुकाबले काफी ज्यादा है। हालांकि फल खाने के मुकाबले जूस पीना सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद नहीं होता। फलों में आमतौर पर फाइबर होता है जिसे जूस पीने के चक्कर में ज्यादातर लोग वेस्ट कर देते हैं।

हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल

शायद आपको नहीं पता हो लेकिन आपका हैंड सैनिटाइजर आपको सिर्फ दो सामान्य तरह के संक्रमण से ही सुरक्षा दे सकता है। बाकी हाथों को साफ रखने के लिए उन्हें साबुन से धोना ही अब तक सबसे बेहतर उपाय है।

THE HOME Decor

ऐसे सजाएं अपने कमरे को...

घर को नया अंदाज देने के लिए जरूरी नहीं है कि आप इंटीरियर डिजाइनर की ही सलाह लें। अपने बजट के हिसाब से थोड़ी सी एसेसरीज खरीदें। इनके प्रयोग से आप अपने घर को नया लुक दे सकती हैं।

घर को नया अंदाज देने के लिए जरूरी नहीं है कि आप इंटीरियर डिजाइनर की ही सलाह लें। अपने बजट के हिसाब से थोड़ी सी एक्सेसरीज खरीदें। इनके प्रयोग से आप अपने घर को नया लुक दे सकती हैं।

- खिड़कियों के लिए कढ़ाई वाले सिल्क फैब्रिक के पर्दों का इस्तेमाल करें। आजकल बाजार में सिल्क फैब्रिक पर आकर्षक एम्ब्रॉयडरी किए हुए पर्दे आसानी से मिल रहे हैं।
- सजावटी सामानों को सजाने के लिए एक बड़ा शो पीस तो अपनी एक जगह बना लेता है, लेकिन छोटे सजावटी सामान सजाते समय इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें एक साथ रखें।
- प्लेन दीवार पर हाथ से सुंदर मोटिफ बना सकती हैं, जैसे सुंदर सी कोई बेल या खूबसूरत रंगीन फूल। यह कमरे को बेहतरीन बना देता है।

- सर्दियों के मौसम में वॉर्म कलर वाले कुशन, बेडशीट और पर्दों का चयन करें। जैसे रेड, ऑरेंज, कॉफी, मैरून, यलो, डार्क चॉकलेट, डार्क ग्रीन।
- कलर्ड ग्लासेज और स्टोन का प्रयोग कमरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।
- मॉडर्न वर्जन को ओल्ड क्लासिक के साथ मिलाने से घबड़ाएं नहीं। ऐसा प्रयोग अच्छा भी लगता है अगर वह ढंग से किया गया हो।

- बेडरूम को इस तरह सजाएं कि अनुपयोगी कोने का इस्तेमाल बेहतर तरीके से कर सकें। ऐसे कोनों पर आप लकड़ी की खूबसूरत अलमारी बनवा सकती हैं, जहां आप अपनी जरूरत का अतिरिक्त सामान या बड़े सामान भी व्यवस्थित रूप से रख सकती हैं, जो सुरक्षित भी रहेगा।
- अगर घर में फ्लोरल प्रिंट्स का इस्तेमाल करना नहीं चाहती हैं तो थोड़ी सी जगह पर इनका प्रयोग कर सकती हैं। प्लेन सोफे के साथ एक फ्लोरल फैब्रिक वाली कुर्सी भी बहुत अच्छी लगेगी।
- लेदर का सोफा कमरे की शान को बढ़ा देता है। आप इसे अपने ड्रॉइंग रूम में सेंटर दीवार के पास सजा सकती हैं। साथ में केन की दो कुर्सियां भी रंगीन कुशन के साथ सजा सकती हैं।

लायंसगेट के नए प्रोजक्ट में सुनील शेट्टी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी पूजा भट्ट

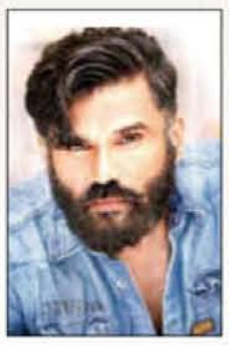

अभिनेत्री पूजा भट्ट हाल ही में जल्द ही लायंसगेट इंडिया के नए प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। इसे लेकर वह बेहद उत्सुक हैं। इसमें पूजा भट्ट के साथ सुनील शेट्टी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसमें दोनों एक बार फिर से साथ में स्क्रीन साझा करेंगे। इससे पहले दोनों साथ में मल्टीस्टारर फिल्म बॉर्डर में साथ दिखाई दिए थे। पूजा ने अपने नए प्रोजेक्ट की झलक साझा करते हुए फैंस को इसकी जानकारी दी है।

अभिनेत्री ने साझा की झलक

पूजा भट्ट ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर साझा की है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, लायंसगेट इंडिया के साथ मेरे अगले प्रोजेक्ट की एक झलक। उन्होंने सुनील शेट्टी को टैग करते हुए आगे लिखा, आपके साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। अभिनेत्री ने लायंसगेट के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट से ये तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में पूजा काले रंग की साड़ी में कैमरे के सामने खड़ी हुई नजर आ रही हैं।

आयरन लेडी के किरदार में आएंगी नजर!

वहीं सूत्रों के मुताबिक, लायंसगेट की धमाकेदार नई एक्शन थ्रिलर में पूजा भट्ट आयरन लेडी के किरदार में नजर आ सकती हैं। वह इसमें एक मजबूत महिला भूमिका का किरदार निभाएंगी। लायंसगेट के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट और सुनील शेट्टी के साथ फिर साथ काम करने को लेकर पूजा भट्ट काफी खुश हैं।

आगामी प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं पूजा

उन्होंने कहा, मुझे हमेशा सशक्त महिलाओं को स्क्रीन पर निभाने का सौभाग्य मिला है। मैंने इसे चुना है। मैं इस किरदार की शक्ति, गहराई और सहानुभूति के कारण तुरंत इसकी ओर आकर्षित हो गई। वह जिस चीज में विश्वास करती है, उसके लिए स्टैंड लेने और चुनौतियों का डटकर सामना करने की उसकी क्षमता एक ऐसी चीज है, जिससे मैं व्यक्तिगत स्तर पर जुड़ती हूं। दर्शकों द्वारा इस नए अवतार को देखने का अब और इंतजार नहीं किया जा सकता है।

स्टारडम और निजी जिंदगी में संतुलन बनाना जानती हैं दीपिका

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपने काम के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में छाई रहती हैं। मगर अभिनेत्री को अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को बैलेंस करना बहुत अच्छे से आता है। निर्देशक शकुन बत्रा ने हाल ही में दीपिका को लेकर बात की है। उन्होंने इंडस्ट्री में दीपिका की सफलता पर भी बात की। उन्होंने कहा कि वह जमीन से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने जिंदगी में संतुलन बनाना बखूबी आता है। शकुन बत्रा ने कहा, दीपिका पादुकोण का प्रभादेवी में रहने का एक कारण है। वह यह सुनिश्चित करना चाहती थीं कि वह इंडस्ट्री के शोर में कहीं खो न जाएं। वह खुद को ऐसे लोगों के बीच रखती हैं, जो इंडस्ट्री से बाहर के हैं। उनका परिवार उनके लिए बहुत जरूरी है। वह अपनी निजी जिंदगी से स्टारडम को बहुत आसानी से दूर कर सकती हैं। निर्देशक ने कहा, मैंने जो चीज हमेशा देखी है, वह यह है कि जिस तरह से इंडस्ट्री को देखा जाता है, फिल्मों को देखा जाता है। वे आपको एक पायदान पर बिठाते हैं। आपको किसी स्तर पर यह विश्वास करते हुए शुरुआत करनी होगी कि आप उनसे बेहतर हैं। साथ ही यह इस पर निर्भर करता है कि आप कितना वास्तविक रहना चाहते हैं या फिर आप आत्म-सम्मान की भावना से कितना देना चाहते हैं। शकुन बत्रा ने दीपिका पादुकोण के साथ फिल्म गहराइयां में काम किया था। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और धैर्य करवा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। वहीं रणवीर और दीपिका इन दिनों अपने पहले बच्चे को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कपल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करेगा। उन्होंने प्रेगनेंसी की घोषणा करते हुए बताया था कि सितंबर में उनका बच्चा आने वाला है। इसके साथ ही रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शादी की तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। इसे लेकर भी दोनों सुर्खियों में बने हुए हैं।

नयनतारा की फिल्म मनंगत्ती सिंस 1960 की शूटिंग हुई खत्म

नयनतारा भारत की उन प्रमुख अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनको हर कोई पसंद करता है। लेडी सुपरस्टार के नाम से फेमस नयनतारा तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। नयनतारा इस समय कई फिल्मों में एक साथ काम कर रही हैं। उन्हीं में से नयनतारा की आगामी फिल्म मन्नानगट्टी सिंस 1960 की शूटिंग खत्म हो चुकी है। अब फैंस को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की शूटिंग हुई खत्म नयनतारा की आगामी फिल्म मनंगत्ती सिंस 1960 की शूटिंग अब खत्म हो चुकी है। इस बात की जानकारी फिल्म के निर्माता ने दी है। नवोदित ड्यूड विक्की द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नयनतारा, योगी बाबू, देवदर्शिनी और गौरी किशन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग खत्म होने का एलान केक कटिंग के साथ किया गया। फिल्म की शूटिंग पिछले साल शुरू हुई थी और अब जाकर इस फिल्म की शूटिंग खत्म हो चुकी है। फिल्म का मधुर संगीत संगीतकार सीन रोल्डन, छायाकार आरडी राजशेखर और संपादक जी मदन मिलकर तैयार किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी। इस बात की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। नयनतारा जल्द ही फिल्म टेस्ट में नजर आएंगी। निर्माता शशिकांत द्वारा निर्देशित यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। इसमें नयनतारा, आर माधवन और सिद्धार्थ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पिछले महीने पूरी हो चुकी है। अब फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन का काम होना बाकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार नयनतारा जवान के बाद एक नए हिंदी फिल्म प्रोजेक्ट पर काम करने की योजना बना रही है, जिसे संजय लीला भंसाली निर्देशित करेंगे।

16 मई को प्रदर्शित होगी पृथ्वीराज सुकुमारन की गुरुवायूर अंबाला नदायिल

पृथ्वीराज सुकुमारन की पिछली फिल्म आदुजीवितम ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। फिल्म ने भारत के बाहर भी अच्छा कारोबार किया था। पृथ्वीराज ने हिंदी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में भी अभिनय किया था। उनके प्रशंसक अब अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसकों को पता है कि पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही फिल्म गुरुवायूर अंबाला नदायिल को लेकर आ रहे हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन की गुरुवायूर अंबाला नदायिल 16 मई को रिलीज होने के लिए तैयार है। शुक्रवार को इसका ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे फैंस काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। फिल्म निर्माता इसका धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। इसका निर्देशन विपिन दास ने किया हैं, जो इससे पहले फिल्म जया जया जया जया हे को निर्देशित कर चुके हैं। पिछले महीने की शुरुआत में फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई थी। फिल्म का निर्माण ई4 एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। गुरुवायूर अंबाला नदायिल की कहानी दीपू प्रदीप ने लिखी है। पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा बेसिल जोसेफ, निखिला विमल, अनस्वरा राजन और जगदीश भी अभिनय करते नजर आएंगे। फिल्म की कहानी शादी पर केंद्रित है। यह एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। पृथ्वीराज को उम्मीद है कि उनकी यह फिल्म भी अच्छा प्रदर्शन करेगी और लोग इसे पसंद करेंगे।

खुद को देसी अभिनेता मानते हैं मनोज

अभिनेता मनोज बाजपेयी बॉलीवुड में आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म भैया जी के प्रमोशन में व्यस्त हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने फिल्म में अपने काम को लेकर कई दिलचस्प खुलासे है और बताया है कि फिल्म में अपने किरदार के लिए किस्से प्रेरणा ली है। अभिनेता का कहना है कि उन्होंने अपनी आगामी फिल्म भैया जी में एक बड़े नायक की भूमिका निभाने के लिए मेगा स्टार अमिताभ बच्चन के साथ-साथ शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना से प्रेरणा ली थी। अभिनेता ने कहा, मैं एक देसी अभिनेता हूं। मेरी इच्छा है कि हमारी संस्कृति, गांव और हमारी मिट्टी की कहानी सिनेमा में आनी चाहिए। हमारे नायकों को हमारे जैसा दिखना चाहिए, किसी पश्चिमी देश से नहीं। हमें अच्छी कहानियों वाली अच्छी फिल्में बनाने की जरूरत है और इसे हमारी संस्कृति में दिखाने की जरूरत है।

निश्चित रूप से बनेगी सरफरोश 2, आमिर खान को है पूरा विश्वास

आमिर खान और सोनाली बेंद्रे की सरफरोश ने 30 अप्रैल, 2024 को अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाई। फिल्म की टीम ने शुक्रवार, 10 मई को मुंबई में एक भव्य स्क्रीनिंग के साथ इस अवसर का जश्न मनाया। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद, प्रेस को संबोधित करते हुए, आमिर खान ने आखिरकार सरफरोश 2 को सीरियस शॉट देने के बारे में जानकारी साझा की। बातचीत के दौरान आमिर से सरफरोश 2 को लेकर उनकी योजनाओं के बारे में पूछताछ की गई। उन्होंने कहा, आपने वही कहा जो हम सभी ने अपने दिल में महसूस किया है। मैं कई सालों से जॉन मैथ्यू मैथन (फिल्म के निर्देशक) के पीछे पड़ा हूं कि उन्हें इसका सीक्वल बनाना चाहिए। मैं एक चीज के बारे में प्रतिबद्धता जता सकता हूं कि हम बनाएंगे। निश्चित रूप से इसे गंभीरता से लेते हुए सरफरोश 2 बनाई जानी चाहिए और मुझे भी ऐसा लगता है। स्क्रीनिंग पर आमिर गहरे नीले रंग की टी-शर्ट के साथ रिप्ड जींस पहनकर कैजुअल ड्रेस में पहुंचे। सरफरोश में उनकी सह-कलाकार सोनाली बेंद्रे ने शानदार लाल गाउन पहनकर प्रीमियर की शोभा बढ़ाई। उनके साथ फिल्म के सहायक कलाकार भी थे, जिनमें नसीरुद्दीन शाह, मकरंद देशपांडे, गोविंद नामदेव, अखिलेंद्र मिश्रा, प्रदीप राम सिंह रावत और अशोक लोखंडे शामिल थे। सरफरोश एक भारतीय पुलिस अधिकारी की सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की कहानी पर आधारित है। नसीरुद्दीन शाह द्वारा अभिनीत नायक गुलफ़ाम हसन के खलिाफ़ आमिर के अजय सिंह राठौड़ के किरदार को प्रशंसा मिली।

सिद्धार्थ के साथ सगाई पर अदिति ने बयां की खुशी

अदिति राव हैदरी काफी लंबे वक्त से अभिनेता सिद्धार्थ को डेट कर रही हैं। बीते दिनों अदिति ने सिद्धार्थ के साथ अपनी सगाई का एलान किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें दोनों इंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट करते नजर आए। अब हाल ही में अदिति ने सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की हैं और खुशी जाहिर की है। अदिति ने कहा कि वे अपनी जिंदगी के सबसे खुशहाल मुकाम पर हैं और सिद्धार्थ के साथ रिलेशनशिप को एंजॉय कर रही हैं। अदिति राव हैदरी ने अपनी सगाई के बारे में बात करते हुए कहा, यह बहुत शानदार पल है। मैं खुद को खुशकिस्मत मान रही हूं। फिलहाल अदिति राव हैदरी के पास खुश होने की कई वजह हैं। निजी जिंदगी के साथ-साथ प्रोफेशनल फ्रंट पर भी वह शानदार कर रही हैं। उनकी सीरीज हीरामंडी काफी पसंद की जा रही है। संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत में भी अदिति राव हैदरी नजर आ चुकी हैं। अब हीरामंडी में एक बार फिर भंसाली के साथ काम करने का उन्होंने अनुभव साझा किया। अदिति ने कहा, वे पर्दे पर बेहद सुंदर दुनिया बनाते हैं। अपने कलाकारों से भी वह शानदार काम कराने में आगे हैं। यही बात हीरामंडी को इतना खास बनाती है। हीरामंडी में बताने के लिए बहुत सारी कहानियां हैं और हर एक बहुत ही अलग महिला के बारे में है। संजय लीला भंसाली की यह खासियत है कि वे महिला किरदारों और उनकी कहानियों को काफी सम्मान देते हैं। अदिति राव ने कहा, संजय लीला भंसाली मानते हैं कि हर महिला को रानी की तरह सम्मान दिया जाना चाहिए, फिर चाहें वह कहीं से हो। उनकी कहानी बहुत गरिमा, गर्व और साहस के साथ बताने लायक है। इसलिए, हीरामंडी का हिस्सा बनना और संजय सर के साथ काम करना, उनसे सीखना अविश्वसनीय अनुभव रहा। मैं इसके लिए शुक्रगुजार हूं। मैं संजय सर की मुरीद हूं। अदिति राव हैदरी ने हीरामंडी में बिब्बोजान की भूमिका अदा की है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा, मैंने खुद को पूरी तरह संजय सर के सामने समर्पित कर दिया। उनकी स्क्रिप्ट, उनका विजन, हर चीज के सामने। मुझे अपनी भाषा पर काम करना था। मुझे उर्दू बोलनी थी, वह भी इस तरह कि बिल्कुल सहज लगे और सामान्य लगे।

अब तीसरी शादी करेंगी दलजीत!

दलजीत कौर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि दलजीत ने अपने दूसरे पति निखिल पटेल से तलाक ले लिया है। अभिनेत्री भारत वापस आ गई हैं और अपने प्रोफेशनल लाइफ में काफी बिजी भी हो गई हैं। अब हाल ही में, दलजीत ने अपनी एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। लोगों का कहना है कि दलजीत ने तीसरी शादी कर ली है या फिर वह जल्द फिर से शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। हालांकि, दलजीत ने अभी तक अपने तलाक को लेकर फैंस से कोई भी अपडेट साझा नहीं किया है।

भूड़ा में भू-माफियाओं पर चला 'बाबा का बुल्डोजर'

6 करोड़ रुपये कीमत की 1500 वर्गमीटर जमीन मुक्त कराई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में अतिक्रमण पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्राधिकरण ने नोएडा के दो गांवों में अवैध रूप से कब्जा जमाए बैठे भू-माफिया के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम के सख्त निर्देश पर नोएडा प्राधिकरण की अर्जित एवं कब्जा प्राप्त भूमि पर विभिन्न भू-माफियाओं द्वारा किये जा रहे अतिक्रमणों के उन्मूलन के लिए प्राधिकरण द्वारा विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण उन्मूलन की कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को वर्क सर्किल-7 के अन्तर्गत सेक्टर-81 में पड़ने वाले ग्राम भूड़ा के खसरा संख्या-100, 101 एवं ग्राम सलारपुर के खसरा संख्या 200 पर किये जा रहे अतिक्रमण को प्राधिकरण के वर्क सर्किल-7 के द्वारा पुलिस बल के साथ प्रभावी कार्यवाही करते हुए जेसीबी एवं बुलडोजर द्वारा ध्वस्त किया गया।

अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा प्राधिकरण की उक्त भूमि पर चारदिवारी एवं कमरों का निर्माण किया जा रहा था, जिसको प्राधिकरण द्वारा मौके पर पहुँच कर ध्वस्त किया गया। कब्जामुक्त करायी गई उक्त भूमि का क्षेत्रफल लगभग 1500 वर्ग मीटर है, जिसकी बाजार लागत लगभग 6 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

प्रवासी महासंघ ने सुशील मोदी के निधन पर दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-33 नोएडा में प्रवासी महासंघ कार्यालय पर पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के आकस्मिक निधन पर प्रवासी महासंघ के अध्यक्ष आलोक वत्स एवं संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय, अंजनी कुमार, प्रवीण कुमार, प्रशांत सिंह, प्रमोद कुमार, राजीव रंजन के साथ प्रवासी महासंघ के कई पदाधिकारी शोक सभा में उपस्थित होकर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किए।

संघ के अध्यक्ष आलोक वत्स ने बताया कि सुशील कुमार मोदी के निधन से बिहार के राजनीतिक का एक अध्याय समाप्त हो गया, सुशील कुमार मोदी एक कद्दावर नेता थे बिहार के राजनीतिक में करीब 5 दशक से अलग-अलग भूमिका निभाते रहे। आलोक वत्स ने बताया कि सुशील कुमार मोदी से मेरे निजी एवं राजनीतिक संबंध बहुत पुराना रहा है। यह मेरी व्यक्तिगत क्षति भी हुई है।

उनका बिहार भारतीय जनता पार्टी के विकास , उत्थान में इनका अमूल्य योगदान रहा है। इस राजनीतिक शून्यता को भरना मुश्किल है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को यह दुख सहने की शक्ति दे।

सृष्टि शर्मा ने दसवीं में हासिल किये 93 प्रतिशत अंक

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-22 स्थित चौड़ा रघुनाथपुर गांव की रहने वाली सृष्टि शर्मा ने सीबीएसई की दसवीं की परीक्षा में 93 फीसदी अंक अर्जित किये।

सृष्टि बाल भारती पब्लिक स्कूल की छात्रा है। उसके पिताजी मनोज शर्मा ने बताया कि सृष्टि ने दसवीं की परीक्षा में अंग्रेजी में 85 प्रतिशत, हिंदी में 92 प्रतिशत, गणित में 91 साइंस में 98 प्रतिशत तथा सोशल साइंस में 95 प्रतिशत अंक अर्जित करके घर परिवार तथा समाज का नाम रोशन किया है।

उन्होंने कहा कि सृष्टि की इस कामयाबी का श्रेय उसकी मेहनत, परिवार तथा स्कूल के शिक्षकों को जाता है।

हनुमान समिति ने रोजा जलालपुर में किया हनुमान चालीसा का पाठ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम हनुमान सेवा समिति ने रोजाजलापुर में मुक्तानंद प्रधान के नेतृत्व में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। हनुमान चालीसा का पाठ विनोद शर्मा और धर्मवीर शर्मा के दुआरा करवाया गया। जिसका संचालन अशोक यादव ने किया।

इस मौके पर मुक्तानन्द प्रधान, रामनिवास यादव (राष्ट्रीय सचिव) दीपक शर्मा, (ग्रेटर नोएडा प्रभारी) सतवीर नागर प्रधान, डॉ ऋषि नागर, अशोक शर्मा, पवन शर्मा, अशोक यादव, धर्मेंद्र नन्दा, अनिल मास्टर, आदेशनंबरदार, शसी पाल शर्मा (आरएसएस), श्रीमति मनोज शर्मा (महिला मोर्चा प्रभारी) बबीता, सीमा पटेल, काजल, मनमोहन शर्मा टीकु आदि भक्त उपस्थित रहे।

12वीं में 92 फीसदी अंक लाकर अंकिता झा ने परिवार व समाज का मान बढ़ाया

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-71 निवासी अंकित झा ने सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं। अंकिता एसीसी कान्वेंट स्कूल में 12वीं की छात्रा है। अंकित झा ने अंग्रेजी में 95 प्रतिशत, फिजिक्स में 80, केमिस्ट्री में 85, बायोलॉजी में 95 तथा फिजिकल एजुकेशन में 96 प्रतिशत अंक अर्जित किए है। अंकिता झा के पिता रितेश झा ने बताया कि अंकिता शुरू से ही पढ़ाई में अव्वल रही है।

मालूम हो कि अंकिता के पिता रितेश कुमार झा देश की सबसे बड़ी कर्मचारी यूनियन हिंद मजदूर सभा के जिला गौतमबुद्धनगर के महासचिव हैं। इस मौके पर हिंद सभा के प्रदेश सचिव आरपी सिंह चौहान ने भी अंकिता की इस उपलब्धि पर उसको बधाई दे दी है तथा उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

प्राधिकरण का चला हंटर कूड़ा मिलने पर ठोंका जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग की तरफ से चलाया जा रहा जांच अभियान जारी है। प्राधिकरण के ओएसडी संतोष कुमार ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर दो व तीन का निरीक्षण किया। सेक्टर तीन में एक घर के सामने सीएंडडी वेस्ट का ढेर लगा होने पर ओएसडी ने संबंधित फर्म पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। रोड किनारे कूड़ा मिलने पर ठेकेदार पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने ओएसडी स्वास्थ्य संतोष कुमार को टीम के साथ गांवों व सेक्टरों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को ओएसडी संतोष कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह व टीम ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के अलग-अलग एरिया में जाकर औचक निरीक्षण किया। ओएसडी सबसे पहले चार मूर्ति चौक से तिगड़ी गोलचक्कर तक की रोड की सफाई व्यवस्था को देखा। रोड किनारे कूड़ा पड़ा मिला, जिस पर स्वास्थ्य विभाग की टीम को कड़ी फटकार लगाई और संबंधित ठेकेदार को फोन कर तत्काल सफाई कराने और दोबारा गंदगी मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। इसके बाद ओएसडी सेक्टर तीन पहुंचे। यहां मकान नंबर 606 के सामने सीएंडडी वेस्ट का ढेर लगा दिखा। इस पर ओएसडी ने संबंधित फर्म राइज इलेवन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। सेक्टर दो में भी सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी सभी एजेंसियों को लगाकर पूरे शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। ओएसडी संतोष कुमार ने कहा है कि शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बिना पूर्व सूचना के औचक निरीक्षण का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नोएडा के समाजसेवी डी.पी. गोयल के पोते ने गाडे झंडे

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के जाने-माने समाजसेवी डी.पी. गोयल के पौत्र आयुष गोयल ने 12वीं परीक्षा में 96 प्रतिशत नंबर लाकर अपने परिवार ही नहीं बल्कि पूरे नोएडा शहर का नाम भी रोशन किया है। आयुष गोयल नोएडा शहर के समरविला स्कूल के छात्र हैं।

उनके दादा डी.पी. गोयल, पिता मुकेश गोयल व माता सोनिया गोयल आयुष पर गर्व कर रहे है।।

आपको पता है कि सीबीएसई बोर्ड के 10वीं, 12वीं के नतीजों में नोएडा शहर के छात्र-छात्राओं ने बड़े झंडे गाड़े हैं। इसी कड़ी में नोएडा के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता डी.पी. गोयल के पोते आयुष गोयल का नाम भी शामिल है। आयुष गोयल ने नोएडा के समरविला स्कूल में 12वीं की पढ़ाई की है। आयुष का परिवार नोएडा के सेक्टर-53 में रहता है। बात नोएडा के इस बेटे के 12वीं में आये नम्बरों की करें तो यह नम्बर बेहद शानदार है। आयुष के अंग्रेजी में 100 में से 95, फिजिक्स में 100 में से 90, कैमिस्ट्री में 100 में 96, मैथ्स में 100 में से 99 तथा कम्प्यूटर साइंस में 100 में से 95 नम्बर प्राप्त किए हैं। आयुष गोयल की इस उपलब्धि पर डी.पी. गोयल के परिवार के साथ-साथ पूरे नोएडा शहर को गर्व है। आयुष बताते हैं कि इस सफलता में उनके दादा जी डी.पी. गोयल का महत्वपूर्ण हाथ है। उनके दादा ने हमेशा नंबर-1 बनने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया है।

नोएडा में बेशकीमती जमीन पर बना डंपिंग ग्राउंड

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर में करोड रुपए की कीमत के एक कमर्शियल प्लाट को नोएडा प्राधिकरण ने बड़ा डंपिंग ग्राउंड बना दिया है। नोएडा प्राधिकरण के हॉर्टिकल्चर विभाग द्वारा शहर भर से काटे जाने वाले पेड़ तथा घरों का मिक्स कूड़ा नोएडा के इस कमर्शियल प्लाट में डंप किया जा रहा है। करोडों रुपए की कीमत वाले इस कमर्शियल प्लाट पर जमा कूड़े में दो बार आग भी लग चुकी है।

आपको मालूम है कि नोएडा में जमीनों की कीमत आसमान पर है। नोएडा में एक वर्ग मीटर जमीन की कीमत कई सेक्टर में लाखों रुपए में है। ऐसे में नोएडा की प्राइम लोकेशन सेक्टर 32 में नोएडा प्राधिकरण के हॉर्टिकल्चर व स्वास्थ्य विभाग ने एक बड़े कमर्शियल प्लाट को कूड़े के देर में तब्दील कर दिया है। नोएडा के सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित कमर्शियल प्लाट पर नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारी शहर भर के पेड़ों की छटनी करने के बाद सूखी टहनियां, पत्तों के अलावा घरों का मिक्स कूड़ा भी डंप कर रहे हैं। नोएडा प्राधिकरण की इस लापरवाही से आसपास के सेक्टर में रहने वाले निवासी बेहद नाराज हैं।

नोएडा प्राधिकरण द्वारा सेक्टर 32 में स्थित कमर्शियल प्लाट को बनाए गए डंपिंग ग्राउंड में जमा कूड़े में दो बार आग लग चुकी है। सूखे पत्तों और टहनियां में लगी आग से उठने वाले धुएं ने आसपास के आवासीय सेक्टर में रहने वालों की शामत खड़ी कर दी थी। बीते 25 मार्च 2024 को दूसरी बार जब आग लगी तो उसे बुझाने में नोएडा कमिश्नरेट पुलिस के फायर डिपार्टमेंट को तीन दिन लग गए थे।